RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-181 | जयपुर, मंगलवार, 30 दिसम्बर 2025 | मूल्य-4 रूपये

अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले लगाई रोक

केंद्र और राजस्थान सहित चार राज्यों से स्पष्ट जवाब मांगा

जयपुर

अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी है। 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे, अब 21 जनवरी 2026 तक खनन पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी। कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा है।

सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एजी मसीह की वेकेशन बेंच ने अरावली केस की सुनवाई की। सीजेआई सूर्यकांत ने निर्देश दिया है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें और उन पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई आगे की टिप्पणियां फिलहाल स्थगित (abeyance) रहेंगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया जाएगा। इन सिफारिशों में से एक में कहा गया है कि 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली पर्वतमाला माना जाए।

गलतफहमियां फैलाई जा रहीं

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। सीजेआई ने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या अदालत के फैसले को लागू करने से पहले एक निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन जरूरी है, ताकि कई अहम सवालों पर स्पष्ट दिशा मिल सके। सीजेआई ने कहा कि अदालत पहले ही यह संकेत दे चुकी है कि इन सवालों पर गहराई से विचार आवश्यक है। इसी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रस्ताव रखा है कि एक्सपर्ट्स की एक हाई पावर्ड कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करे और इन मुद्दों पर स्पष्ट सुझाव दे।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की वैकेशन बेंच में मामले की सुनवाई चल रही है। जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली मानने की नई परिभाषा का विरोध हो रहा है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सीजेआई के वैकेशन कोर्ट में यह मामला पांचवें नंबर पर लिस्टेड था।

हरियाणा के वन विभाग के रिटायर अधिकारी आरपी बलवान ने भी पिछले सप्ताह केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पहले से चल रहे गोदावर्मन मामले में याचिका दाखिल की, जिस पर कोर्ट ने केंद्र, राजस्थान, हरियाणा सरकार और पर्यावरण मंत्रालय को नोटिस जारी किया था।

मंत्री जनता की इच्छा क्यों नहीं समझ पा रहेः गहलोत

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा- हमें बहुत खुशी है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज स्थगन आदेश जारी किया है। हम इसका स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि सरकार भी जनता की इच्छा को समझेगी। चारों राज्यों की जनता, और वास्तव में पूरे देश की जनता, इस आंदोलन में शामिल हुई है। सड़कों पर उतरी है। विभिन्न रूपों में विरोध प्रदर्शन किया है। यह समझ से परे है कि मंत्री (पर्यावरण मंत्री) इसे क्यों नहीं समझ पा रहे हैं।

कांग्रेस ने वन-पर्यावरण मंत्री से इस्तीफा मांगा

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा- इस मामले का और अधिक विस्तार से अध्ययन करने की आवश्यकता है। और याद दिलाया कि प्रस्तावित पुनर्परिभाषा का भारतीय वन सर्वेक्षण, सर्वोच्च न्यायालय की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति और स्वयं एमिकस क्यूरी ने विरोध किया था। रमेश ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग की। साथ ही कहा- यह फैसला पुनर्परिभाषा के पक्ष में उनके द्वारा दिए गए सभी तर्कों को खारिज करता है।

उन्नाव रेप केस- सुप्रीम कोर्ट ने बदला दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

सेंगर की सजा बरकरार रहेगी

सीजेआई बोले- जज से भी गलती हो सकती है

उन्नाव

उन्नाव रेप केस में रेपिस्ट पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट ने सेंगर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा। मामले में 4 हफ्ते बाद सुनवाई होगी। सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को जमानत दी थी।

जमानत के खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में 3 दिन पहले याचिका लगाई थी। सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में सुनवाई हुई। बेंच ने दोनों पक्षों की करीब 40 मिनट तक दलीलें सुनीं। सीजेआई ने कहा- हाईकोर्ट के जिन जजों ने सजा सस्पेंड की, वे बेहतरीन जजों में गिने जाते हैं, लेकिन गलती किसी से भी हो सकती है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- कोर्ट को लगता है कि मामले में अहम सवालों पर विस्तार से विचार जरूरी है। आमतौर पर कोर्ट का सिद्धांत है कि किसी दोषी या विचाराधीन कैदी को रिहा कर दिया गया हो, तो बिना उसे सुने ऐसे आदेशों पर रोक नहीं लगाई जाती, लेकिन इस मामले में परिस्थितियां अलग हैं क्योंकि आरोपी दूसरे मामले में पहले से दोषी ठहराया जा चुका है। ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश पर रोक लगाई जाती है।

पीड़ित फूट-फूटकर रोई

इधर, सुप्रीम कोर्ट का आदेश सुनते ही पीड़ित फूट-फूटकर रोने लगी। एक्टिविस्ट योगिता भैयाना और अन्य महिलाओं ने उसे संभाला। इसके बाद पीड़ित ने कहा- मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा। मैं इस लड़ाई को जारी रखूंगी। उसे फांसी की सजा दिलाऊंगी, तब जाकर हमारे परिवार को इंसाफ मिलेगा। '

आरपीएससी पेपर लीक मामला

कटारा ने माना- 1.20 करोड़ की डील से बना था आरपीएससी सदस्य

जयपुर

पेपर लीक से जुड़े मामले में आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा से एसओजी पूछताछ में कुछ नहीं उगलवा सकी। मगर ईडी ने पूछताछ की तो कई राज खुल गए। ईडी की पूछताछ में कटारा ने कबूला कि उसने आरपीएससी सदस्य बनने के लिए तत्कालीन डूंगरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश खोड़निया से 1.20 करोड़ रुपए में सौदा किया था। इसके लिए खोड़निया के निकट सहयोगी अशोक जैन को दो बार में 40 लाख रुपए भी दिए थे। कटारा ने कबूला कि ये 40 लाख रुपए वही थे, जो उसने परीक्षाओं में अभ्यर्थियों से साक्षात्कार में चयनित करने के बदले लिए थे।

मैंने न तो किसी की सिफारिश की, ना किसी से रुपए लिए : खोड़निया

बाबूलाल कटारा ने सारी बातें गलत कही हैं। मुझे नहीं पता कटारा ने मेरा नाम क्यों लिया। कटारा से पूछताछ के बाद मेरे यहां ईडी की सर्च हुई थी। मेरे 24 लाख रुपए जब्त हुए। तीन माह पहले ही ये रुपए मैंने रिलीज करवा लिए। मैंने किसी के लिए कोई सिफारिश नहीं की। अब सारा मामला क्लियर हो चुका है। मैंने किसी से रुपए भी नहीं लिए।

डीआरडीओ ने किया पिनाका रॉकेट का सफल परीक्षण

120 किमी रेंज, टारगेट पर सटीक अटैक किया

नई दिल्ली

भारत ने सोमवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (LRGR-120) की पहली सफल फ्लाइट टेस्टिंग की। इस दौरान रॉकेट को उसकी अधिकतम 120 किलोमीटर रेंज तक दागा गया।

उड़ान के दौरान रॉकेट ने सभी तय इन-फ्लाइट मैन्युवर सफलतापूर्वक पूरे किए और निर्धारित लक्ष्य पर सटीक वार किया। रेंज में तैनात सभी ट्रैकिंग सिस्टम ने उड़ान के पूरे रूट के

दौरान रॉकेट की निगरानी की।यह सफल परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने किया।

खास बात यह रही कि 120 किलोमीटर रेंज वाले इस रॉकेट का पहला टेस्ट उसी दिन हुआ, जब रक्षा मंत्रालय के रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने इसे भारतीय सेना में शामिल करने की मंजूरी दी। DAC की बैठक सोमवार दोपहर में हुई थी। इसमें 79 हजार करोड़ के सैन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी। इसमें मिसाइलें, रॉकेट, रडार सिस्टम शामिल हैं। पिनाका सिस्टम के लिए लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट खरीदे जाएंगे। सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (एमके-II) भी लिया जाएगा।

LRGR को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट ने हाई एनर्जी मटीरियल्स रिसर्च लैबोरेटरी के साथ मिलकर डिजाइन किया है। इसे बनाने में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लैबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत ने भी मदद की है। इस फ्लाइट टेस्टिंग का संचालन इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज और प्रूफ एंड एक्सपेरिमेंटल एस्टैब्लिशमेंट ने किया।

गैंगरेप के आरोपी के घर से मिले महिला-मैनेजर के कपड़े

आईटी कंपनी के सीईओ और दंपती को जेल भेजा

उदयपुर

उदयपुर पुलिस ने चलती कार में महिला मैनेजर से गैंगरेप के एक आरोपी के घर से पीड़िता के कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस ने रिमांड के दौरान मामले में आरोपी दंपती (IT कंपनी की महिला एग्जीक्यूटिव हेड और उसका पति) के घर से पीड़िता के मोजे और अंडर गारमेंट बरामद किए हैं। पीड़िता की ईयरिंग का पता नहीं लगा है। पुलिस ने आरोपियों के वॉयस सैंपल भी लिए हैं, ताकि कार के डैश कैम में रिकॉर्ड हुए ऑडियो-वीडियो से वॉयस का मिलान किया जा सके। सैंपल जांच के लिए भेजे हैं। इसके अलावा आरोपी ष्टश्वह्र और एग्जीक्यूटिव हेड के पति का मर्दानगी टेस्ट भी कराया गया।

उधर, पुलिस ने सोमवार को 4 दिन की रिमांड अवधि पूरी होने पर आईटी कंपनी के CEO, महिला एग्जीक्यूटिव हेड और उसके पति को कोर्ट में पेश किया, जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया।

आरोपियों ने गैंगरेप से पहले रास्ते में जिस दुकान से स्मोकिंग जैसा आइटम खरीदा था। उस दुकान मालिक और कर्मचारी से पुलिस ने पूछताछ की है।

वकीलों का तहसील ऑफिस में हंगामा, तहसीलदार को धमकाया

बोले- कोर्ट में आना, तहसीलदारी निकाल देंगे तेरी

कोटा

कोटा में वकीलों ने तहसीलदार के चेंबर के बाहर हंगामा कर दिया। एक वकील ने तहसीलदार को धमकाया और कोर्ट में देख लेने की धमकी दी। वकील ने कहा- आना अब कोर्ट में...सारी तहसीलदारी निकाल देंगे तेरी। हमें कानून सीखा रहा है। पैसे लेकर जमानत पर छोड़ता है। मामला एक वकील से मारपीट के आरोपियों को तहसील ऑफिस में पेश करने से जुड़ा है। वकीलों ने 28 दिसंबर को शाम करीब 6 से 7 बजे

के बीच लाडपुरा तहसील ऑफिस में हंगामा किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। एडवोकेट अतीश सक्सेना ने आरोप लगाया कि लाडपुरा तहसीलदार राजवीर यादव ने हमसे दुर्व्यवहार किया और कहा- आप मुझे कानून मत सिखाओ, मेरे यहां कोई वकालतनामा और वकील की जरूरत नहीं है। मैं मेरे हिसाब से ऑर्डर कर दूंगा।

तहसीलदार राजवीर यादव ने कहा- वकीलों के आरोप निराधार हैं। मैंने रेलवे कॉलोनी थाना सीआई से मुलजिमों को लाने के लिए कहा तो उन्होंने जाब्ता और गाड़ी नहीं होने की बात बताई। बाद में मुलजिम को मेरे घर पर पेश किया गया। कागजात भी पेश किए।

जम्मू-कश्मीर में सीएम-एलजी में टकराव

तबादले और नियुक्तियां अटकीं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पहली निर्वाचित सरकार बने एक साल से ज्यादा वक्त गुजर चुका है, लेकिन यह पूरा साल शासन से ज्यादा सत्ता संघर्ष में खप गया। 2019 में राज्य का दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद सितंबर-अक्टूबर 2024 में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे 8 अक्टूबर को आए थे। जनता ने लंबे अंतराल के बाद चुनी हुई सरकार से स्थिरता और जवाबदेही की उम्मीद की थी। 16 अक्टूबर 2024 को उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद की शपथ ली, लेकिन इसके बाद का पूरा 2025 साल उनके और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के बीच अधिकारों की खींचतान, फाइलों की लड़ाई और फैसलों की रस्साकशी में उलझा रहा।

मुंबई में बस ने 13 लोगों को कुचला, 4 की मौत

रिवर्स करते समय हादसा, बस चालक हिरासत में

मुंबई

मुंबई के भांडुप में रेलवे स्टेशन के बाहर सोमवार देर रात एक बस ने 13 पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसे में 3 महिला सहित 4 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि हादसा रात 9:35 बजे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (BEST) की बस से हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, BEST की बस रिवर्स लेते समय बेकाबू हो गई और सड़क पर चल रहे लोगों को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद बस

चालक को हिरासत में ले लिया गया है। घटना के बाद एम्बुलेंस, मुंबई फायर ब्रिगेड और BEST की टीम मौके पर पहुंची।

पीड़ितों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से राजावाड़ी और एम.टी. अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बस ने एक बिजली के खंभे को भी टक्कर मारी, जिसे वह गिर गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मौके पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी, फार्मासिस्ट सैमिनी मुदलियार ने बताया कि वह पास के बस स्टॉप पर अपनी बस का इंतजार कर रही थीं। तभी एक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। मुदलियार ने कहा- अगले ही पल मैंने लोगों को बस से टकराते हुए उछलकर गिरते देखा। बस थोड़े देर बाद रुक गई। लोग बस को उठाने और धकेलने लगे। बस के पास हर तरफ खून फैला था। कई लोग जख्मी हालत में पड़े थे।

राजस्थान में कोई भी घुसपैठिया नहीं रहेगा: सीएम भजनलाल

पेपरलीक के 398 आरोपियों को जेल पहुंचाया, छोटा-बड़ा कोई नहीं बचेगा

जयपुर

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा राजस्थान में अगर कोई भी घुसपैठिया होगा तो किसी भी कीमत पर राजस्थान में नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि पहले हम हिंदू विस्थापितों को नागरिकता देने के लिए सीएए कानून लेकर आए थे तो कांग्रेस ने उसका भी विरोध किया।

अब हम घुसपैठियों को निकाल रहे हैं तो SIR का भी विरोध कर रहे हैं। सीएम सोमवार को सीतापुरा स्थित पूर्णिमा कॉलेज में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर प्रांत के 61वें अधिवेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

वहीं सीएम शर्मा ने कहा- पेपरलीक के 397-398 आरोपी अभी जेल में हैं। कांग्रेस छोटे-बड़े आरोपियों की बात करती है। मैंने कहा छोटा भी आएगा और बड़ा भी आएगा, रहेगा कोई नहीं।

हिंदू विस्थापितों को नागरिकता देने के कानून का भी कांग्रेस ने किया था विरोध

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि हम देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। आपने देखा है कि आजादी के बाद हमारे जो हिंदू और सिख भाई पाकिस्तान और बांग्लादेश में रह गए थे। उनकी कितनी बड़ी संख्या थी, वो कहां चले गए।

जब हम हिंदू विस्थापितों को नागरिकता देने के लिए कानून लेकर आए, कांग्रेस ने उसका भी विरोध किया। आपको इन्हें नागरिकता देने में क्या दिक्कत है। अभी घुसपैठियों को निकाल रहे हैं तो स्ढ्ढक्रका भी विरोध कर रहे हैं।

पेपरलीक के 398 आरोपी जेल में

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- पिछली कांग्रेस सरकार में युवाओं के साथ कुठाराघात हुआ। हमारे किसान, मजदूरों के बच्चे सरकारी नौकरी की तैयारी करते थे, लेकिन एक के बाद एक पेपरलीक होते थे। युवाओं के सपनों को चूर-चूर कर दिया जाता था। दो साल के अंदर 296 पेपर हुए हैं, क्या एक भी पेपर लीक हुआ।

हमने वादा किया था कि पेपरलीक करने वालों को जेल में भी डालेंगे। आज 397-398 आरोपी जेल में हैं।

डायरी-पेन रखकर हिसाब लगाते रहिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- हमने वादा किया था कि हम पांच साल में 4 लाख सरकारी और 6 लाख प्राइवेट नौकरी देंगे। कांग्रेस वालों ने मुझे विधानसभा में पूछा, आपने घोषणा तो कर दी, इतनी नौकरी देंगे कहां से।

मैंने उनसे कहा था कि डायरी-पेन जेब में रख लो और हिसाब लगाते रहो। हमने अभी तक 92 हजार नौकरियां दे दी है। आने वाले रोजगार उत्सव में हम 20 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने वाले हैं। इसके अलावा 1.56 लाख नौकरियां प्रक्रियाधीन हैं।

इसके अलावा भी आरपीएससी और कर्मचारी चयन बोर्ड नई नौकरियों की निकालने वाला है।

बीएपी विधायक ने बीजेपी सांसद को धमकाया

राजकुमार रोत और मन्नालाल में जमकर हुई तू-तू, मैं-मैं

जयपुर

राजस्थान के डूंगरपुर में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की एक बैठक में जमकर हंगामा हुआ और नेताओं के बीच तू-तू, मैं-मैं होने लगी. आज सोमवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में आयोजित बैठक में हंगामा हो गया. बैठक में बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत, उनकी पार्टी के आसपुर सीट से विधायक उमेश डामोर तथा उदयपुर से भाजपा सांसद मन्नालाल रावत हिस्सा ले रहे थे. लेकिन वहां नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई और माहौल इतना गरमा गया कि सुरक्षाकर्मियों को बीच में आकर बीच बचाव करना पड़ा. इसी बहस के दौरान

बीएपी विधायक उमेश डामोर ने सांसद मन्नालाल रावत को धमकी दे डाली.

दिशा की बैठक की शुरुआत में बीएपी सांसद राजकुमार रोत अपनी बात रख रहे थे. लेकिन वह एजेंडे से हटकर राज्य सरकार के मुद्दे उठाने लगे. इस पर भाजपा सांसद मन्नालाल रावत ने आपत्ति की और एजेंडे के अनुसार केंद्र सरकार की योजनाओं के मुद्दे रखने की बात कहने लगे. इसी बात पर रोत और रावत के बीच बहस शुरू हो गई.

सांसद राजकुमार रोत ने कहा, 'बैठक का अध्यक्ष मैं हूं और यहां क्षेत्र की हर उस समस्या पर चर्चा हो सकती है जो जनता से जुड़ी है.' बहस तब और बढ़ गई जब रोत ने आरोप लगाया कि मन्नालाल रावत केवल माहौल खराब करने आए हैं और वे डूंगरपुर का विकास नहीं चाहते.

सेना की फायरिंग रेंज में ब्लास्ट में चार जवान घायल, दो की हालत गंभीर

सहारनपुर (एजेंसी)। मिर्जापुर क्षेत्र स्थित सेना की फायरिंग रेंज में नियमित अभ्यास के दौरान अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। धमाके की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अभ्यास रोक दिया गया। घटना के तुरंत बाद घायल जवानों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। बेहट सीएचसी के चिकित्सकों के मुताबिक चारों जवानों को चोटें आई हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल जवानों को जिला अस्पताल रेफर किया है, जबकि अन्य दो जवानों का इलाज वहीं किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस भी फायरिंग रेंज पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया, ताकि किसी और अनहोनी से बचा जा सके। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को अस्थायी रूप से सील कर दिया। जिला अस्पताल प्रशासन ने भी इमरजेंसी वार्ड को अलर्ट मोड पर रखा। अतिरिक्त डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किए गए ताकि घायल जवानों को तुरंत और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। गंभीर जवानों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसा तब हुआ जब फायरिंग रेंज में नियमित ट्रेनिंग चल रही थी। अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। हालांकि, ब्लास्ट के कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल जवानों का इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ होगा कि हादसा तकनीकी खराबी, मानवीय चूक या किसी अन्य कारण से हुआ।

नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली तैयार... 20,000 जवान पर रहेगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष तैयारी की हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रहेगी। नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,000 जवान तैनात रहने वाले है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच होगी। कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमें (क्यूआरटी) तैनात रहेंगी। ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना तैयार की है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का उपयोग करेगी। पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त किया जाएगा। कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की पहचान की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को पूरी रात सड़कों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

स्टॉक और आईपीओ से पैसा होगा डबल.....कहकर लगा दिया 16 लाख रुपये का चूना

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक शख्स ने फेक स्टॉक और आईपीओ में निवेश कर अपनी पूरी कमाई, करीब 16 लाख रुपये, गंवा दी। यह धोखाधड़ी वाटसएप के जरिए हुई, जहां पीड़ित को एक प्रोफेशनल निवेश ग्रुप में शामिल किया गया। शामिल करने के बाद ग्रुप में उन्हें कई फेक दावे दिखाए गए और बताया गया कि स्टॉक मार्केट और आईपीओ में निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। जुलाई में पीड़ित को एक लिंक भेजा गया, जिसमें ऑनलाइन फॉर्म भरने और एक एप इंस्टॉल करने को कहा गया। शुरुआत में विक्टिम ने 5,000 रुपये निवेश किए और 5,245 रुपये का रिटर्न देखा, जिससे उनका विश्वास बढ़ गया और उन्होंने और पैसे निवेश करना शुरू किया। साइबर ठगों ने अलग-अलग बैंक खातों में रुपये जमा कराए और कुल 16 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। बाद में, पीड़ित के वॉलेट में 18 लाख रुपये का लोन दिखाई दिया, जिससे वह हैरान रह गए। जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की, तब उन्हें प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अतिरिक्त 9 लाख रुपये की डिमांड की गई। इस घटना के बाद पीड़ित को धोखाधड़ी का शक हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद गुजरात पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसतरह के निवेश ग्रुप्स में शामिल होने और जल्दी अमीर बनने के लालच में आने से बचना चाहिए। यह साइबर ठगों की पुरानी और आम चाल है, जिसमें बहुत से लोग फंस चुके हैं। इसतरह के मामले चेतावनी हैं कि ऑनलाइन निवेश और कमाई के झांसे में सावधानी बरतनी बेहद जरूरी है।

छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाले नेता नजरबंद... महबूबा, इल्तिजा और रुहुल्लाह मेहदी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद किया गया। जिला प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट करने के बाद उठाया, जिन्होंने गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित करने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की बात कही थी।

विवाद बढ़ने पर दिग्विजय सिंह की सफाई...

गोडसे की विचारधारा से कुछ सीखने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की प्रशंसा कर राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी थी। लेकिन अब उन्होंने अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विचारधारा के स्तर पर वे अब भी संघ के धुर विरोधी हैं और गांधी के हत्यारे गोडसे की विचारधारा से कांग्रेस को कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है।

दरअसल विवाद की शुरुआत तब हुई जब दिग्विजय ने आरएसएस के अनुशासन और जमीनी कार्यकर्ताओं को शीर्ष पदों तक पहुंचाने की क्षमता की सराहना की थी। अपनी सफाई में उन्होंने कहा, मैंने जो कहना था, कह दिया। मैं पिछले 50 सालों से कांग्रेस में हूं और मैंने विधानसभा से लेकर संसद तक इन सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैं भाजपा-आरएसएस की विचारधारा का हमेशा विरोधी रहा हूं और आगे भी इस विचारधारा का विरोधी रहूंगा।

जब सिंह से संघ के अनुशासन के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने तीखा हमला कर कहा कि कांग्रेस को गोडसे जैसे हत्यारों के समर्थकों से कुछ भी सीखने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर दोहराया कि किसी भी संगठन को समय-समय पर खुद को मजबूत करने की जरूरत होती है।

बात दें कि दिग्विजय के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर भी एक नई बहस छेड़ दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर अलग-अलग राय रखते हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए अनुशासन बेहद जरुरी है। थरूर ने कहा, हमारी पार्टी का 140 साल का लंबा इतिहास है और हम अपने अतीत से बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं भी चाहता हूँ कि हमारा संगठन मजबूत और अनुशासित बने।

वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कड़ा रुख दिखाकर कहा कि आरएसएस से सीखने जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि गोडसे के लिए जाने जाने वाला संगठन भला गांधी द्वारा स्थापित संगठन को क्या सिखा सकता है?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब दिग्विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 1995 की पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी जमीन पर बैठे दिख रहे थे और उनके पास तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष एल.के. आडवाणी मौजूद थे। इस फोटो के जरिए दिग्विजय ने संकेत दिया था कि कांग्रेस को यह सीखना चाहिए कि कैसे आरएसएस और भाजपा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका देती हैं।

कोहरे का कहर : वंदे भारत-दरभंगा हमसफर सहित 60 से ज्यादा ट्रेनों के पहिए थमे

नई दिल्ली। सर्दी और कोहरे से लगभग पूरा उत्तर भारत परेशान है। खासकर कोहरे के कहर ने जहां जनजीवन प्रभावित किया है वहीं ट्रेनों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। कोहरे के कारण रविवार को भी रेल यात्रियों की परेशानी बनी रही। दिल्ली आने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, हमसफर सहित लंबी दूरी की 60 से अधिक ट्रेनें दो से 13 घंटे के विलंब से चल रही हैं। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस 13.15 घंटे की देरी से चल रही है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में जाने वाली कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा है। लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे की देरी से चल रही हैं।

देरी से चल रही प्रमुख ट्रेनें- नई दिल्ली-सोगरिया (कोटा) सुपरफास्ट एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष, नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-गया महाबोधि एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ गोमती एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-हुबली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-पुरी नीलांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी सीमांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस।

दिल्ली में सक्रिय 35 हजार नकली डॉक्टर... कार्रवाई के नाम पर एक पर ही एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में बिना डिग्री और मेडिकल पढ़ाई के लोगों का इलाज कर रहे नकली डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में दिल्ली मेडिकल कार्उंसिल (डीएमसी) के उदासीन रवैये का खुलासा हुआ है।बीते दो सालों में दिल्ली में केवल एक नकली डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि राजधानी में हजारों की संख्या में इसतरह के लोग गलत इलाज कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में 9 मामलों की जांच की गई, लेकिन एक भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

इसकी वजह यह रही कि डीएमसी की ओर से एक भी केस पुलिस को एफआईआर दर्ज कराने के लिए नहीं भेजा गया। वहीं, 2025 में अब तक 22 मामलों की जांच हुई, लेकिन केवल एक केस पुलिस को भेजा गया, जिस पर एफआईआर दर्ज की गई। पिछले पांच सालों में दिल्ली में नकली डॉक्टरों के खिलाफ कुल 22 एफआईआर दर्ज हो सकी है। इस बारे में दिल्ली मेडिकल कार्उंसिल के एंटी क्रैकरी सेल के अधिकारी ने कहा कि साल 2015 में दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश जारी कर एक कमिटी बनाई थी, जिसे हर महीने दिल्ली में छापेमारी करनी थी। हालांकि, यह रिपोर्ट साफ दिखा रही है कि आदेशों का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में 35 से 40 हजार नकली डॉक्टर सक्रिय हैं, जो इलाज के नाम पर आम जनता को ठग रहे हैं। कई बार गरीब मरीजों को इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है।

सीएम सरमा ने किया आगाह कहा- असम को बांग्लादेश में मिलाने की हो सकती है कोशिश

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बांग्लादेश के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां इनकी आबादी करीब 40 प्रतिशत हो चुकी है। जिस दिन ये आबादी 50 प्रतिशत का आकड़ा पार कर लेगी उसी दिन से बांग्लादेश का हिस्सा बनाने के प्रयास शुरु हो जाएंगे। यह आशंका असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा सरमा ने राज्य की बदलती जनसांख्यिकी को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्थिति को असम की अस्मिता और संस्कृति के लिए एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

मुख्यमंत्री सरमा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान में बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत को पार कर चुकी है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा, आज हम अपनी आंखों से इस वास्तविकता को देख रहे हैं। यदि यह आबादी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई, तो असम के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगेगा। बांग्लादेश में हाल ही में हुई दीपू दास की मॉब लिंचिंग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने असम के लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि अगर आज वहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो असम के लोग कल्पना कर सकते हैं कि अगले 20 वर्षों में यहां की स्थिति क्या होगी। उन्होंने घुसपैठियों की वफादारी पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि भारत और बांग्लादेश के बीच युद्ध होता है तो ये लोग किसका साथ देंगे?मुख्यमंत्री ने जनगणना के पुराने आंकड़ों और भविष्य के अनुमानों को साझा करते हुए बताया कि 2011 में मुस्लिम आबादी 34 प्रतिशत थी, जिसमें बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम 31 प्रतिशत और स्थानीय मुस्लिम मात्र 3 प्रतिशत थे। 2027 तक यह संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत होने का अनुमान है। स्वदेशी आबादी गिरकर 60 प्रतिशत पर आ गई है और इसमें और गिरावट की आशंका है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि उनके जीवनकाल में घुसपैठियों की आबादी 21 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है और उनके बच्चों के समय तक असमिया समुदाय की आबादी सिमटकर मात्र 30 प्रतिशत रह सकती है। आगामी विधानसभा चुनावों को मुख्यमंत्री ने महज एक राजनीतिक मुकाबला न मानकर सभ्यता की लड़ाई करार दिया। उन्होंने कांग्रेस पर दशकों तक तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया, जिसके कारण राज्य में एक नई सभ्यता विकसित हो गई है। इनकी संख्या अब लगभग 1.5 करोड़ तक पहुंच चुकी है। सरमा ने कहा कि यह लड़ाई अपनी भूमि (माटी), पहचान (जाति) और आधार (भेटी) को बचाने की है। उन्होंने भाजपा को असम के लिए उम्मीद की आखिरी किरण बताते हुए कहा कि पार्टी राज्य को घुसपैठियों के कारण पैदा होने वाले अंधेरे के गर्त में गिरने से बचाएगी।

मुख्यमंत्री ने असम को शंकर-अजान (वैष्णव संत शंकरदेव और सूफी संत अजान फकीर) की धरती बताने वाली धारणा को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि असम केवल शंकर-माधव (शंकरदेव और उनके शिष्य माधवदेव) की भूमि है। उन्होंने कहा कि अजान फकीर के साथ महापुरुषों की तुलना करके हमारी सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने अहोम सेनापति लाचित बोरफुकन का स्मरण किया, जिन्होंने बीमार होने के बावजूद मुगलों को हराया था।

कोगिलू गांव में तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस के अंदर मचा दी खलबली

-आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में चलाए गए डिमोलिशन ड्राइव ने कांग्रेस के अंदर मतभेद उजागर कर दिए हैं। विरोध प्रदर्शन, विपक्षी दलों की आलोचना और पार्टी के अंदरखाने में उठ रही आवाजों के बीच कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की नसीहत दी है। यह पूरा मामला बेंगलुरु के बाहरी इलाके में येलहंका के पास कोगिलू गांव का है। यहां तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस पार्टी के अंदर खलबली मचा दी है। इस कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए और विपक्ष के हमलों के साथ-साथ कांग्रेस के अंदर से भी असहज सवाल उठने लगे हैं, जिससे कर्नाटक सरकार बचाव के मोड में आ गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार से इस मुद्दे पर बात की। वेणुगोपाल ने कोगिलू गांव से लोगों को हटाने की कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता जताई और कहा कि इस तरह के कदमों में कहीं ज्यादा सावधानी, संवेदनशीलता की जरूरत होती है। उन्होंने साफ कहा कि फैसलों में मानवीय कीमत को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। वेणुगोपाल के मुताबिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी इस पूरी कार्रवाई के तरीके को लेकर सहज नहीं है। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ने भरोसा दिलाया है कि वे खुद प्रभावित परिवारों से संवाद करेंगे, शिकायत निवारण तंत्र बनाएंगे और पुनर्वास व राहत सुनिश्चित करेंगे।

इस बीच सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने कमजोर और गरीब परिवारों को बिना पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था के बेघर कर दिया है। उन्होंने तुरंत पुनर्वास, अस्थायी आश्रय और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। एसडीपीआई के कर्नाटक महासचिव मुजाहिद पाशा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वही बेदखली की राजनीति अपना रही है, जिसकी वह पहले आलोचना करती रही है। मंत्रियों के इस दावे को भी उन्होंने खारिज कर दिया कि यहां रहने वाले लोग अवैध प्रवासी थे या यह जमीन केवल ठोस कचरा प्रबंधन के लिए आरक्षित थी। पाशा ने केरल के सीएम पिनराई विजयन की आलोचना का हवाला दिया और कहा कि यह मामला अब सिर्फ कर्नाटक तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुका है।

सीएम सिद्धारमैया ने कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि येलहंका के पास कोगिलू बदवाने क्षेत्र की जमीन कचरा डंपिंग साइट है, जो लोगों के रहने के लिए उपयुक्त नहीं है और उस पर अतिक्रमण किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवारों को पहले ही कई बार नोटिस जारी कर वहां से हटने को कहा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद बेदखली की कार्रवाई जरूरी हो गई। उन्होंने बेंगलुरु महानगर पालिका के आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी आश्रय, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वहां रहने वाले अधिकतर लोग स्थानीय नहीं बल्कि प्रवासी मजदूर हैं, फिर भी मानवीय दृष्टिकोण से उनके लिए उचित आवास की व्यवस्था की जाएगी।

एसआईआर पर बंगाल के प्रशासनिक अधिकारियों को आपत्ति, चुनाव आयोग को लिखे पत्र से मचा हंगामा

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर आशंका जताई है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में केंद्रीय चुनाव आयोग, निर्धारित वैधानिक व्यवस्था को दरकिनार कर रहा है।

एसोसिएशन ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है। एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाने या नोटिस जारी करने का अधिकार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास होता है। मौजूदा प्रक्रिया में ईआरओ की भूमिका सीमित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है , चुनाव आयोग के एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर सिस्टम के जरिए सीधे नोटिस जनरेट हो रहे हैं। जिससे स्थानीय स्तर पर जांच और सुनवाई की गुंजाइश समाप्त हो गई है।

पत्र में उल्लेख किया गया है। कई ईआरओ के लॉग-इन पर पहले से तैयार नोटिस दिखाई दे रहे हैं। इससे ईआरओ को यह तय करने का अवसर नहीं मिल रहा। वह किन मामलों में नोटिस जारी करे या किन मामलों में सुनवाई आवश्यक है। इससे बड़े पैमाने पर केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से बड़ी संख्या में वोटर डिलीशन हो सकता है। जिसमें स्थानीय अधिकारियों की भूमिका औपचारिक रह जाएगी। इससे बीएलओ और ईआरओ को मतदाताओं के कोपभाजन का शिकार होना पड़ सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों ने चेतावनी दी है, यदि किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया जाता है। तो आम जनता इसका दोष स्थानीय ईआरओ पर डालेगी, जबकि वास्तविक निर्णय प्रक्रिया में ईआरओ को पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है। इससे अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।

एसोसिएशन का कहना है, एसआईआर जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर आधारित निर्णय की स्थान पर स्थानीय स्तर पर दस्तावेजों की जांच, सुनवाई और मानवीय हस्तक्षेप जरूरी है। चुनाव आयोग से मांग की है, ईआरओ को उनकी वैधानिक शक्तियां पूरी तरह सौंपी जाएं। किसी भी प्रकार की डिलीशन प्रक्रिया से पहले पारदर्शी सुनवाई सुनिश्चित की जाए।

इस पत्र के सामने आने के बाद एसआईआर को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बवंडर मच गया है। विपक्षी दल इसे मतदाता सूची में संभावित हेरफेर से जोड़कर देख रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अब तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रशासनिक अधिकारियों की इस आपत्ति ने एसआईआर की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर देश भर में एक नई बहस छिड़ गई है।

आंतकी संगठनों के टारगेट पर 'वाइट कॉलर मॉड्यूल'...संदेह कम और समाज में घुले-मिले रहते

भारतीय खुफिया एजेंसियों के लिए बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आतंकवाद के बदलते स्वरूप ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। हालिया इनपुट्स मिले हैं कि अल-कायदा जैसे आतंकी संगठन अब पारंपरिक हिंसक हमलों के बजाय एक नए, डिजिटल और वैचारिक मॉडल पर काम कर रहे हैं। इस रणनीति का उद्देश्य तात्कालिक दहशत फैलाने से अधिक लंबे समय में विचारधारा के द्वारा प्रभाव बनाना है।

दरअसल दिल्ली में हुए आतंकी हमले के बाद ÷वाइट कॉलर मॉड्यूल÷ पर फोकस बढ़ा है। इसी कड़ी में पुणे एंटी-टेररिज्म स्क्वाड द्वारा अक्टूबर 2025 में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल जुबैर इलियास हंगरगेकर की गिरफ्तारी को एक अहम केस माना जा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, जुबैर अल-कायदा और उसके दक्षिण एशियाई संगठन से वैचारिक रूप से जुड़ा हुआ था। उसके डिजिटल फुटप्रिंट–जैसे एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन, संग्रहित प्रोपेगेंडा सामग्री और क्लोज्ड ऑनलाइन ग्रुप्स में सक्रियता ने साफ कर दिया हैं कि कट्टरपंथ अब ज्यादा ÷ऑनलाइन और छिपा हुआ÷ हो चुका है।

इस मामले में सबसे बड़ी चिंता की बात यह हैं कि आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। वह पढ़ा-लिखा, पेशेवर और सामाजिक रूप से स्थापित व्यक्ति था। यही पैटर्न हाल के अन्य मामलों में भी दिखा है, जिसमें डॉक्टर और दूसरे सम्मानित पेशों से जुड़े लोग शामिल हैं। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि अल-कायदा जानबूझकर इसतरह लोगों को टारगेट कर रहा है जिन पर संदेह कम होता है, जो समाज में आसानी से घुले-मिले रहते हैं और जिनकी बातों को विश्वसनीयता के साथ सुना जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म इस नए मॉडल की रीढ़ हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच का फायदा उठाकर आतंकी संगठन अपनी विचारधारा फैलाते हैं। इस प्रक्रिया में खुली हिंसा नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे नैरेटिव गढ़ा जाता हैं, शिकायतें उभारी जाती हैं।

खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल-कायदा भारत को फिलहाल तात्कालिक ऑपरेशनल थिएटर की बजाय एक लॉन्ग-टर्म वैचारिक मंच के रूप में देख रहा है। यहां उद्देश्य हमदर्द तैयार करना, सहानुभूति पैदा करना और इसतरह के लोग विकसित करना है जो बाहरी तौर पर ÷नॉर्मल÷ दिखें, लेकिन अंदरूनी तौर पर कट्टर विचारधारा से जुड़े हों। यह रणनीति संगठन को जल्दी पकड़ में आने से बचाती है और समय के साथ गहरी पैठ बनाने में मदद करती है।

बनास नदी में इतनी बड़ी हिंसक झड़प हो गई, बडलियास पुलिस को भनक क्यो नही लगी? खुफिया तंत्र क्यों फेल हो रहा?

खाकी की लापरवाही लोगो की जान पर पड़ी भारी, खूनी संघर्ष में आधा दर्जन से ज्यादा घायल

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। जिले के कोटड़ी क्षेत्र में बडलियास थाना अंतर्गत बनास नदी के किनारे सोपुरा और आसपास के गांवों में बजरी खनन को लेकर ग्रामीणों और लीजधारक पक्ष के बीच भयंकर मारपीट हो गई। लीजधारक के लोग रास्ता बनाने और खनन शुरू करने की तैयारी कर रहे थे, तभी ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से जमकर हाथापाई हुई, जिसमें लीजधारक पक्ष के आधा दर्जन लोग बुरी तरह घायल हो गए और उन्हें जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा। आरोप है कि कुछ कथित हिस्ट्रीशीटर और स्थानीय बदमाशों ने भी ग्रामीणों पर हमला किया, जबकि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ गुंडे तत्वों के इस विवाद में शामिल होने की बात भी सामने आ रही है।यह कोई छोटी-मोटी घटना नहीं थी - यह एक बड़ी हिंसक झड़प थी, जिसमें दोनों तरफ के लोग घायल हुए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद स्थानीय पुलिस को पहले से कोई भनक क्यों नहीं लगी? बडलियास थाना क्षेत्र में पुलिस का खुफिया तंत्र पूरी तरह फेल क्यों साबित हो रहा है? जिला पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देशों और लगातार चल रहे अभियानों के बावजूद ऐसी घटनाएं क्यों घटित हो रही हैं?बनास नदी में बजरी खनन का यह विवाद वर्षों पुराना है। सोपुरा सहित आसपास के ग्रामीण दशकों से इस नदी को अपनी खेती की 'लाइफलाइन' मानकर इसका संरक्षण करते आए हैं। सैकड़ों शिकायतों और विरोध के बावजूद खनन विभाग लीज स्वीकृत कर देता है, जिससे लीजधारक और ग्रामीणों के बीच लगातार टकराव बना रहता है। हाल के दिनों में भी कोटड़ी क्षेत्र के चाँदगढ़ में वैध-अवैध खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने धरना दिया डंपर रोके, प्रदर्शन किए और प्रशासन को ज्ञापन सौंपे। आरोप है कि लीजधारक हाईकोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए मशीनों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

पुलिस के खुफिया तंत्र की नाकामी के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं - क्षेत्र में खनन माफिया के साथ कुछ स्थानीय तत्वों की मिलीभगत के आरोप लगते रहते हैं; थाना स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने के लिए पर्याप्त स्टाफ और नेटवर्क की कमी है भी इसका कारण है; खनन जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीतिक दबाव के चलते कार्रवाई में ढील पड़ती है; और सबसे बड़ा कारण धनबल व बाहुबल का खेल, जहां माफिया सूचनाएं लीक करवा देते हैं या पुलिस को गुमराह कर देते हैं।बनास नदी भीलवाड़ा का एक महत्वपूर्ण जलस्रोत है, लेकिन वैध-अवैध खनन से इसका पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है, भूजल स्तर गिर रहा है और स्थानीय कृषि पर गहरा असर पड़ रहा है। जिला प्रशासन व पुलिस ने अवैध खनन पर कई कार्रवाइयां की हैं - वाहनों की जब्ती, मुकदमे दर्ज किए - लेकिन बड़ी घटनाओं को पहले ही रोकने में खुफिया तंत्र की कमजोरी साफ नजर आ रही है।आखिर ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग - नदी को ठेके पर न देने की - को बार-बार अनसुना क्यों किया जा रहा? क्या धनबल और बाहुबल के आगे कानून-व्यवस्था बेबस हो चुकी है? प्रशासन कब जागेगा, खुफिया तंत्र को मजबूत करेगा और ऐसी घटनाओं को पहले ही रोकेगा? नहीं तो बनास नदी की यह लूट और इसका 'चीरहरण' यूँ ही जारी रहेगा, जबकि इसके बीच ग्रामीण पिसते रहेंगे ?

तीन दर्जन से अधिक लोगों ने धारदार हथियारों से किया हमला

जिले के बड़लियास थाना क्षेत्र के सोपुरा के समीप अड़सीपुरा में रविवार शाम बजरी लीज साइट पर नदी से रास्ता साफ करने के दौरान करीब 3 दर्जन से अधिक हमलावरों ने जेसीबी से रास्ता साफ करा रहे लोगों पर लाठियों, सरियों और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में करीब आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।मिली जानकारी के अनुसार अड़सीपुरा में बजरी लीज पर जेसीबी मशीन से रास्ता साफ करवाया जा रहा था। इसी दौरान बड़ी संख्या में हथियारों से लैस हमलावर वहां पहुंचे और अचानक हमला बोल दिया।

हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए और कर दिया ताबड़तोड़ हमला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए थे और उन्होंने देखते ही देखते वहां मौजूद लोगों पर ताबड़तोड़ हमला करना शुरू कर दिया। हमलावरों ने मौके पर खड़े वाहनों में भी जमकर तोड़फोड़ की। इस खूनी संघर्ष में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 5 घायलों को भीलवाड़ा जिला अस्पताल लाया गया, जबकि 2 से 3 घायलों का शहर के निजी अस्पतालों में उपचार चल रहा है। घायलों में नरेश विश्नोई पिता अमरचंद विश्नोई ,जितेंद्र सिंह पिता लूणा सिंह ,अनिल पिता बंशीलाल डिडवानिया, भरत पिता देवचंद विश्नोई, अभिषेक पिता राजू विश्नोई को जिला अस्पताल लाया गया । जहां से सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

शांता विहार कॉलोनी में चोरों का तांडव, सूने मकान के ताले तोड़ 3 लाख की नगदी और जेवर पार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा क्षेत्र से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहाँ चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। 100 फीट रोड स्थित शांता विहार कॉलोनी में रविवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को अपना निशाना बनाया। चोरों ने राजेंद्र सालवी के घर के ताले तोड़कर करीब 3 लाख रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया है। शहर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला प्रतापनगर थाना इलाके की शांता विहार कॉलोनी का है। यहाँ रहने वाले राजेंद्र सालवी के मकान में रविवार रात चोरों ने प्रवेश किया। बताया जा रहा है कि परिवार किसी काम से बाहर थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और घर के अंदर रखी अलमारियों को खंगाल डाला। शुरुआती जानकारी के अनुसार, चोर घर से सोने-चांदी के जेवरात और नगदी सहित लगभग 3 लाख रुपये का कीमती सामान चोरी कर ले गए हैं। सोमवार सुबह जब पड़ोसियों ने घर के ताले टूटे हुए देखे, तो हड़कंप मच गया और तुरंत मकान मालिक व पुलिस को सूचना दी गई। 'घटना की सूचना मिलते ही प्रतापनगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची । पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। इलाके के निवासियों में इस वारदात के बाद से ही भय और रोष का माहौल है।

हत्या के प्रयास के आरोप में दो गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

गुलाबपुरा थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले मे वांछित चल रहे दो आरोपी को गिरफतार कर लिया है । आरोपी पोलू भील और गणेश गुर्जर इस मामले में गिरफतार हुए है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य व पुलिस उप अधीक्षक वृत गुलाबपुरा जिला भीलवाडा जितेन्द्रसिह के निकटतम सुपरविजन मे थानाप्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में वांछित अपराधियों की धरपकड के लिए विशेष टीम का गठन किया गया । टीम द्वारा गुलाब बाबा की धूणी मेले के दौरान दर्ज हत्या के प्रयास के प्रकरण में दो आरोपी को तलाश किया और डिटेन करने के बाद पुछताछ की ओर दोनो को गिरफतार कर लिया जिनसे पूछताछ जारी है । गठित पुलिस टीम में थानाप्रभारी संजय कुमार, गोवर्धनलाल उ.नि., किशन सिंह स.उ.नि., कांस्टेबल रविन्द्र कुमार, सुभाष चन्द्र, रमेश कुमार, बिशनसिंह, श्रवण कुमार शामिल रहे ।

इन्हे किया गिरफ्तार

पोलू पिता चुन्नीलाल भील उम्र 25 वर्ष निवासी गुलाबबाबा की धूणी गुलाबपुरा थाना गुलाबपुरा और गणेश पिता हीरालाल गुर्जर उम्र 19 वर्ष निवासी गुलाबबाबा की धूणी गुलाबपुरा थाना गुलाबपुरा जिला भीलवाडा को गिरफ्तार किया।

अधूरे हाईवे निर्माण को लेकर प्रशासन को खून से ज्ञापन, आसींद में उग्र विरोध

स्मार्ट हलचल

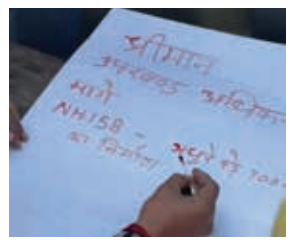

आसींद (भीलवाड़ा)। आसींद कस्बे के मध्य से गुजर रहे नेशनल हाईवे 158 के अधूरे निर्माण कार्य को लेकर कस्बे वासियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को आसींद यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष दिनेश गुर्जर के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने उपखंड अधिकारी के नाम खून से ज्ञापन सौंपकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि करीब 700 मीटर लंबे हाईवे हिस्से में तीन माह पूर्व सड़क सीमा में आने वाले मकानों को एनएचआई के अधिकारियों द्वारा तोड़ दिया गया था, लेकिन इसके बाद से अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया। प्रशासन की इस लापरवाही के चलते लोग खुले आसमान के नीचे तंबू लगाकर रहने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण इस मार्ग पर रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे आमजन की जान को खतरा बना हुआ है। नियमों के अनुसार जब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं होता, तब तक सड़क की मरम्मत व सुरक्षित यातायात की जिम्मेदारी नेशनल हाईवे अथॉरिटी की होती है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने आरोप लगाया कि एनएचआई प्रशासन ने केवल बुलडोजर चलाकर मकान तोड़ने का काम किया, लेकिन इसके बाद निर्माण कार्य को पूरी तरह भुला दिया गया। आक्रोशित नागरिकों ने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष दिनेश गुर्जर ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही अधूरे निर्माण कार्य को शुरू कर आमजन को राहत नहीं दी गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से नेशनल हाईवे अथॉरिटी प्रशासन की होगी।

पंचायत शिक्षकों और विद्यालय सहायकों का कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन

नियमितीकरण की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिला कलेक्टर कार्यलय के बाहर राजस्थान पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ के बैनर तले पंचायत शिक्षकों और विद्यालय सहायकों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने नियमितकरण करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष महावीर प्रसाद स्वर्णकार ने कहा कि बजट सत्र 2025 - 26 में उपमुख्यमंत्री द्वारा आईएएस पैटर्न पर अनुभव में दो वर्ष की छूट देने की घोषणा के बावजूद अब तक विभागीय आदेश जारी नहीं होने से संविदा कर्मियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में राजस्थान सरकार, जिला कलेक्टर भीलवाड़ा को ज्ञापन के माध्यम से शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है। बजट सत्र के दौरान संविदा रूल्स 2022 के तहत अनुभव में दो वर्ष की छूट देने की घोषणा की गई थी, लेकिन संबंधित विभागीय आदेश अब तक जारी नहीं हो पाया है। आदेश जारी नहीं होने के कारण शिक्षा विभाग में संविदा पर कार्यरत पंचायत शिक्षक और विद्यालय सहायक नियमितिकरण की प्रक्रिया से वंचित हो रहे हैं। यदि अनुभव में दो वर्ष की छूट का विभागीय आदेश जारी किया जाता है तो इन संविदा कार्मिकों के नियमितिकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो सकती है। अनुभव में दो वर्ष की छूट का विभागीय आदेश अतिशीघ्र जारी करवाया जाए, ताकि लंबे समय से सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों को नियमित सेवा का लाभ मिल सके और शिक्षा व्यवस्था को भी स्थायित्व प्राप्त हो।

एनडीपीएस एक्ट में 5 हजार का ईनामी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

एनडीपीएस एक मे गुलाबपुरा थाना पुलिस ओर डीएसटी टीम भीलवाडा ने कार्यवाही करते हुए वांछित 5000 रूपये के ईनामी आरोपी को गिरफतार किया । पुलिस ने बताया आरोपी अणदाराम जाट को गिरफतार किया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य व पुलिस उप अधीक्षक वृत गुलाबपुरा जिला भीलवाडा जितेन्द्रसिह, के निकटतम सुपरविजन मे और थानाप्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में वांछित अपराधियों की धरपकड हेतु विशेष टीम का गठन कर डीएसटी टीम भीलवाडा के सहयोग से टीम ने आसीन्द के एनडीपीएस प्रकरण मे वांछित 5000 रूपये के ईनामी आरोपी को तलाश कर पुछताछ के बाद गिरफतार किया गया जिससे पूछताछ जारी है । गठित पुलिस टीम के थानाप्रभारी संजय कुमार, आशीष मिश्रा स.उ.नि. डीएसटी, किशनसिंह स.उ.नि., एचसी चन्द्रपालसिंह डीएसटी, जितेन्द्रसिंह, हेमन्त, कमल शामिल रहे । अणदाराम पिता बस्तीराम जाट उम्र 31 वर्ष निवासी खंगार थाना निम्बी जिला नागौर को गिरफ्तार किया।

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में कार खाई में गिरी

स्मार्ट हलचल |काछोला

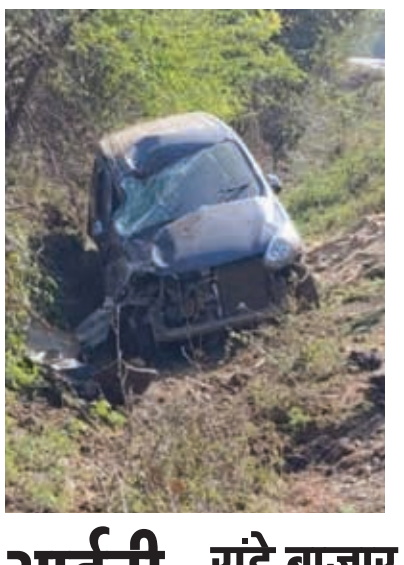

काछोला-राजगढ़ मार्ग पर सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया प्राप्त जानकारी के अनुसार कार चालक सुशील जैन निवासी महुआ, चवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र चैनपुरा से दर्शन कर वापस काछोला लौट रहा था इसी दौरान काछोला-राजगढ़ मार्ग पर अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने के प्रयास में कार संतुलन खो बैठी और सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरी हादसे में कार चालक सुशील जैन को गंभीर चोटें आई मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को खाई से बाहर निकाला और तुरंत काछोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया इस हादसे के बाद सार्वजनिक निर्माण विभाग की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि काछोला-राजगढ़ मार्ग पर सड़क के दोनों ओर गहरी खाइयां बनी हुई हैं, लेकिन सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं न ही चेतावनी संकेतक, जिसके चलते आए दिन हादसे होते रहते हैं ग्रामीणों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग से मांग की है कि मार्ग पर जल्द से जल्द खाइयों को भरवाया जाए व मार्ग पर उगे अंग्रेजी बबूल को कटवाया जाए संकेतक बोर्ड और आवश्यक सुधार कार्य कराए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

करेड़ा के आयुष कुमावत व कृष्ण कुमार ने कांस्य पदक जीते

स्मार्ट हलचल | करेडा

जबलपुर (मध्यप्रदेश) में आयोजित 69 वें राष्ट्रीय स्कूल खेल 2025-26 बास्केटबाल अडंर 14 में कस्बे के आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के दो छात्र आयुष कुमावत व कृष्ण कुमार गवारिया ने राजस्थान टीम से खेलते हुए कास्य पदक जीते । दोनों खिलाडियों का करेडा पहुंचने पर खेल प्रेमियों व ग्रामीणों द्वारा स्वागत करते हुए कस्बे मे जूलूस निकाला। इस दौरान बडी संख्या में खेल प्रेमी व ग्रामीण उपस्थित थे।

भीलवाड़ा शहर ने कियोस्को पर चला यूआईटी का पीला पंजा, 71 कियोस्क जमींदोंज

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। नगर विकास न्यास की टीम ने सोमवार को शहर के विभिन्न इलाकों में कियोस्को के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। न्यास के दस्ते ने लंबे समय से बंद पड़े कुल 71 कियोस्कों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई शहर के सुंदरीकरण और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से की गई।

नगर विकास न्यास की निर्माण शाखा के रामप्रसाद के नेतृत्व में टीम सबसे पहले आरसी व्यास कॉलोनी पहुंची। वहां छोटी पुलिया के पास स्थित 8 कियोस्कों को हटाया गया। इसके बाद दस्ता चुंगी नाका पहुंचा, जहां 20 कियोस्क जमींदोज किए गए। कार्रवाई का सिलसिला यहीं नहीं रुका; तिलक नगर के सेक्टर 9 में 11 और सेक्टर 10 में सर्वाधिक 32 कियोस्कों को हटाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, ये सभी कियोस्क लंबे समय से बंद पड़े थे और असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बन रहे थे। साथ ही, इनके कारण साफ-सफाई में बाधा आ रही थी और सड़क किनारे अतिक्रमण से यातायात प्रभावित हो रहा था।

25 साल पहले आवंटन किया था

नगर विकास न्यास तहसीलदार दिनेश कुमार ने बताया कि नगर विकास न्यास द्वारा 25 साल पहले शहर में कई कियोस्क का आवंटन किया गया था। जो 10 साल की अवधि के लिए थे। इनकी अवधि 2011 में पूरी हो गई है और कई जर्जर हालत में हो गए हैं जिसमें कई लोग कब्जा करके रखे हुए थे। कई लोग बिना अनुमति के लोग बिना अनुमति के कार्य कर रहे थे। इन जर्जर कियोस्क से नुकसान भी हो सकता था और जान-माल की घटना भी हो सकती थी, इन स्थितियों को देखते हुए कियोस्क निरीक्षण कर इन्हें गिरने के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत आज नगर विकास न्यास द्वारा कार्रवाई की गई ओर 73 कियोस्क को हटाया गया है। यूआईटी द्वारा कियोस्क हटाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में न्यास स्टाफ ओर पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

संडे बाजार के व्यापारियों का नगर निगम पर प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर के रेलवे स्टेशन से इंदिरा मार्केट क्षेत्र में संडे बाजार लगाने वाले पुराने कपड़ों के व्यापारियों ने रविवार को नगर निगम कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय व्यापारियों के विरोध के बाद संडे बाजार स्थगित किए जाने से नाराज ये व्यापारी अपनी आजीविका बचाने की मांग को लेकर महापौर राकेश पाठक के पास पहुंचे और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

प्रमुख मांगें और विवाद का कारण:

व्यापारियों की मुख्य मांग है कि या तो रेलवे स्टेशन से इंदिरा मार्केट तक लगने वाले संडे बाजार को यथावत रखा जाए, या फिर प्रशासन उन्हें शहर में किसी अन्य स्थाई जगह पर बाजार लगाने की अनुमति दे। गौरतलब है कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब इंदिरा मार्केट के स्थानीय दुकानदारों ने सड़क पर लगने वाले इस बाजार का विरोध करते हुए आंदोलन किया था। स्थानीय व्यापारियों की शिकायतों के बाद प्रशासन ने संडे बाजार को वहां से हटवा दिया था, जिसके बाद से पुराने कपड़े बेचने वाले इन व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

व्यापारियों का पक्ष:

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे व्यापारी सुनील ने बताया, 'हम पीढ़ी दर पीढ़ी कई सालों से यह काम कर रहे हैं। हम सप्ताह के छह दिन गलियों और चौराहों पर घूमकर पुराने कपड़े इकट्ठा करते हैं और रविवार को इस बाजार में बेचते हैं। हमारे पास इसके अलावा आय का कोई दूसरा साधन नहीं है। प्रशासन द्वारा अचानक हटाए जाने से हमारे परिवारों का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है। '

प्रशासनिक आश्वासन:

महापौर राकेश पाठक ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना और ज्ञापन स्वीकार करते हुए उचित समाधान का आश्वासन दिया। व्यापारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि उन्हें जल्द ही कोई जगह आवंटित नहीं की गई, तो उनके पास आंदोलन को और तेज करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

चन्द्रभागा नदी में हो रहे बजरी दोहन के खिलाफ एक दर्जन गांवों के सैकड़ों लोग अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे

ग्रामीणों की प्रशासन से वार्ता विफल रही, मांगे नहीं मानने तक जारी रहेगा विरोध प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | पोटलां

उपतहसील क्षेत्र में बहने वाली चन्द्रभागा नदी में हो रहे बजरी दोहन के खिलाफ एक दर्जन गांवों के सैकड़ों क्षेत्रवासी सोमवार को अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं जानकारी के अनुसार चन्द्रभागा नदी का स्वरूप बिगाड़ रहे लोगों के खिलाफ खजुरिया गांव के पास नदी किनारे श्मशान घाट के पास टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं लोगों ने आरोप लगाते हुए बताया कि अवैध बजरी खनन से नदी खोखली हो रही हैं, गहरे गड्ढे बन रहे हैं, जलस्तर गिर रहा है और पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है, जिससे जानलेवा हादसे भी हो रहे हैं; प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप लगते रहे हैं और हाल ही में अवैध खनन रोकने के लिए बड़े स्तर पर पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई भी की गई है, लेकिन समस्या बनी हुई है। खनन माफिया के खिलाफ स्ढ्ढ, सस्पेंशन और विभागीय जांच हो। ड्रोन और आधुनिक तकनीक से नियमित निगरानी हो और पटवारी-ग्राम पंचायत को पाबंद किया जाए। नदी का प्राकृतिक स्वरूप बहाल हो और दोषियों से मुआवजे की वसूली हो। आमजन में भारी असंतोष है और वे इसलिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। धरना स्थल पर मौजूद मदन दास वैष्णव, राजू सिंह राजपूत, नारायण लाल जाट सहित विरोध कर रहे लोगों ने बताया कि अरावली पर्वतमाला से देवगढ़ के चखा-चक महादेव से शुरू होकर समेला महादेव मंदिर तक बहने वाली चंद्रभागा नदी भीलवाड़ा और राजसमंद जिले के बड़े भू-भाग की जीवनदायिनी है। अवैध खनन और प्राकृतिक बहाव के टूटते संतुलन से नदी का अस्तित्व संकट में है। ग्रामीणों ने बताया कि चंद्रभागा नदी फूंकिया बांध, सरदारगढ़ बांध, चंद्रभागा बांध और रायथलियास बांध जैसे चार बांध बने हुए हैं एवं जिले नेगड़िया का खेड़ा, गोवलिया, खजूरिया, खांखला, उदलियास, सातलियास, पोटलां, धागडास, और माझावास सहित एक दर्जन से अधिक गांवों से बहती है। जिससे लोगों को कृषि में सिंचाई का पानी मिलता है अवध दोहन से जलस्तर गिरता जा रहा है चंद्रभागा नदी का प्राकृतिक बहाव अक्सर फूंकिया बांध तक ही रहता है। अवैध बजरी खनन ने नदी की मूल संरचना को तबाह कर दिया। दिन-रात डंपर और ट्रैक्टर बिना रोक-टोक नदी से बजरी निकाल रहे हैं। फूंकिया बांध से माझावास तक कई स्थानों पर नदी का तल इतना गहरा कर दिया गया कि प्राकृतिक बहाव बाधित होने लगा है एवं नदी अपना स्वरूप खोते जा रही है इस दौरान गंगापुर थाना व पोटलां पुलिस चौकी से पुलिस जाब्ता तैनात रहा व गंगापुर तहसीलदार वीरेंद्र सिंह नायब तहसीलदार प्रेम राज व माइनिग विभाग के फोरमैन जितेंद्र सिंह,गंगापुर थानाधिकारी लीलाधर मालविया सहित पटवारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की लेकिन ग्रामीण और प्रशासन के बीच में 2 घंटे तक चली आपसी वार्ता में कोई आपसी सहमति नहीं बनी अधिकारियों ने बताया कि आप की जो मांगे है उन्हें हम उच्च अधिकारियों को अवगत कराएंगे आपकी मांगों को हम जवाब देंगे। प्रदर्शन कर रहे लोगो ने बताया कि जब तक प्रशासन हमारी मांगे पूरी करेगा और बजरी पर स्थाई रोक नई लगेगी तब तक हमारा ये धरना जारी रहेगा धरने की सूचना पर कई जनप्रतिनिधि पूर्व भाजपा विधायक प्रत्याशी रूप लाल जाट, पीसीसी सदस्य रणदीप त्रिवेदी भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों के बीच बेट कर लोगो से बात की ओर उन के साथ हर समय खड़े रहने की बात कही।

मुख्यमंत्री संबल योजना में दुग्ध उत्पादकों को 5 प्रति लीटर सब्सिडी की मांग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान के प्रत्येक दुग्ध उत्पादक को मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत 5 प्रति लीटर सब्सिडी दिए जाने की मांग को लेकर भीलवाड़ा की गोकुल डेयरी के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि बढ़ती उत्पादन लागत, चारे की महंगाई और परिवहन खर्च के कारण दुग्ध उत्पादकों पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है, ऐसे में यह सब्सिडी उन्हें संबल प्रदान करेगी।

ज्ञापन देने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में गोकुल डेयरी के मैनेजिंग डायरेक्टर अशोक चैबे, मुख्य सलाहकार मुरलीधर व्यास, आसींद अवशीतन केंद्र इंचार्ज फोजमल गुर्जर, सीनियर लेखाधिकारी रतन लाल चैबे, प्रहलाद राय शर्मा एवं देवकिशन शर्मा शामिल रहे। प्रतिनिधियों ने बताया कि दुग्ध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और प्रदेश के लाखों किसान परिवार इससे जुड़े हैं। वर्तमान परिस्थितियों में दुग्ध उत्पादकों को उचित मूल्य और सरकारी प्रोत्साहन मिलना अत्यंत आवश्यक है।

प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि यदि मुख्यमंत्री संबल योजना के अंतर्गत प्रति लीटर 5 की सब्सिडी लागू की जाती है तो इससे छोटे और सीमांत दुग्ध उत्पादकों की आय में सीधा इजाफा होगा। साथ ही दुग्ध संग्रहण और आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूती मिलेगी, जिससे सहकारी डेयरियों की स्थिति सुदृढ़ होगी। जिला कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और ज्ञापन को अग्रिम कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को प्रेषित करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार दुग्ध उत्पादकों के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे।

महेंद्र सिंह खेरुणा बने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के ग्रामीण जिला अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल | काछोला

काछोला। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा संगठनात्मक मजबूती की दिशा में कार्यकारिणी का विस्तार किया गया संगठन के भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष बबलू सिंह ठूमिया ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह कटार की अनुशंसा पर महेंद्र सिंह कानावत निवासी खेरुणा को श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना का ग्रामीण जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है नियुक्ति की घोषणा के बाद खैराड क्षेत्र सहित आसपास के विभिन्न गांवों में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने महेंद्र सिंह कानावत को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बबलू सिंह ठूमिया ने कहा कि महेंद्र सिंह के नेतृत्व में संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक मजबूत होगा तथा समाजहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा वहीं नव नियुक्त ग्रामीण जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह कानावत ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने और समाज को एकजुट करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

श्री महेश सेवा फाउंडेशन का तीसरा नववर्ष कैलेंडर विमोचन स्नेह मिलन आयोजन

माहेश्वरी समाज में झूठन नहीं छोड़ने का अभियान चला रही श्री महेश सेवा फाउंडेशन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री महेश सेवा फाउंडेशन भीलवाड़ा के तत्वाधान वार्षिक आयोजन के तहत नव वर्ष का 2026 का तीसरा कैलेंडर विमोचन का आयोजन हुआ फाउंडेशन के अध्यक्ष दिनेश काबरा ने बताया कि कैलेंडर विमोचन सांवरिया रिसोर्ट में दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष अशोक बाहेती, राधेश्याम सोमानी, प्रहलाद लढ्ढ़ा भेरूलाल काबरा, सत्यनारायण डाड, राजेंद्र कचोलिया ,ओम गट्टयानी ने नव वर्ष का तीसरा कैलेंडर विमोचन किया इस अवसर पर माहेश्वरी समाज में विभिन्न आयोजन में जुटन नहीं छोड़ने को लेकर एक महाअभियान चलाया जाएगा जिसमें श्री महेश सेवा फाउंडेशन अहम भूमिका निभाएगा इसके कार्यकर्ता विभिन्न भवनो में आयोजित भोजन कार्यक्रमों में जाकर जुटन नहीं छोड़ने का संदेश देंगे।

कार्यक्रम मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष चेचानी ने कहा कि धन की तीन गति होती है दान, भोग, नाश इसलिए संगठन को मजबूत करने के लिए पुरा सहयोग कर मजबूत करावे इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बाहेती ने कहा कि सामाजिक भवनो में महेश फाउंडेशन को बुलाकर भोजन जूटन नहीं जाने देने के अभियान कि पुरी जिम्मेदारी लेकर बहुत बड़ा कार्य कर सकते हैं इस कार्य में जिला सभा फाउंडेशन का पूरा सहयोग करेगी

कार्यक्रम में 240 परिवारो ने भाग लिया, विभिन्न खेलकूद व प्रश्नोत्तरी आयोजन में श्रेष्ठ रहे प्रतिभागियों को अतिथियों ने इनाम वितरीत किये प्रतियोगिताओं में पारंपरिक खेल सितोलिया, चेयर रेस (बालक बालिकाएं महिला व पुरुष)वर्ग में, संगीत डांस गेम, मेंढक रेस अंतराक्षी ,होजी, कपल गेम, बालक बालिकाओं के विभिन्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इस अवसर पर केदार जागेटिया, सुशील मारोठिया, अभिजीत शारडा, महावीर समदानी, ओम गंदोडीया, सुरेश कचोलिया, गोपाल नारानीवाल, सत्यनारायण मुंदडा, दिलीप तोषनीवाल, राजेंद्र पोरवाल ने विमोचन में सहयोग किया फाउंडेशन के संरक्षण राधेश्याम तोषनीवाल कैलाश आगाल, लोकेश आगाल, मुकेश सांमरिया, राजेंद्र कालिया, शुभम झवर, भेरूलाल कचोलिया, आशीष झवर, मनोज तोषनीवाल, राकेश सोमानी, रमेश तोषनीवाल, भगवान मालू, सुंदर अजमेरा, दिनेश बांगड़, रमेश लढ्ढ़ा ,सुभाष भंडारी, विनय लढ्ढ़ा, मनोज नखलक, अशोक काबरा, घीसू जागेटिया, कैलाश गगरानी , अंकित न्याती, विनय लढ्ढ़ा उपस्थित थे।

विधायक गोपीचंद मीणा भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। भारतीय जनता पार्टी संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आज प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा की। इसी क्रम में जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा को भाजपा अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। विधायक गोपीचंद मीणा भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर विधानसभा सीट से दो बार विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। वे पिछले कई वर्षों से पार्टी में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। सरल स्वभाव, जमीनी जुड़ाव और संगठन के प्रति समर्पण के लिए पहचाने जाने वाले गोपीचंद मीणा की इस नियुक्ति से एसटी मोर्चे को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं में इस घोषणा के बाद उत्साह का माहौल है।

जन जागरण अभियान के तहत- कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगोष्ठी व रैली का किया आयोजन

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। बिजौलियाँ में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जन जागरण अभियान के तहत संगोष्ठी एवं अरावली पर्वतमाला के संरक्षण एवं मनरेगा को लेकर सभा आयोजित की गई तत्पश्चात जागरण रैली निकाली गई रैली को संबोधित करते हुए मांडलगढ़ विधानसभा प्रभारी मुरली गुर्जर ने कहा कि अरावली केवल पहाड़ नहीं बल्कि राजस्थान की जीवन रेखा है वहीं जिला परिषद सदस्य अंकित तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा का नाम बदलकर महात्मा गांधी का तिरस्कार कर रही है रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने अरावली बचाओ पर्यावरण बचाओ एवं मनरेगा बचाओ जैसे नारे लगाए रैली के माध्यम से उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया गया इस अवसर पर विधानसभा मांडलगढ़ प्रभारी मुरली गुर्जर जिला परिषद सदस्य अंकित तिवारी मंडल अध्यक्ष अनिल राव युवा कांग्रेस अध्यक्ष राम फूल धाकड़ विक्रम सोनी शक्ति नारायण शर्मा सत्यनारायण मेवाड़ा राहुल सेठिया रणजीत सिंह कानावत मुकेश खटीक विशाल तिवारी अकरम हुसैन किशन खटीक सुधीर कोतवाल रामेश्वर सेन सत्तर फौजदार असलम हुसैन अमितकुमार बाबूलाल नायक बाल किशन खटीक सहित कई कार्यकर्ता एवं कांग्रेस सदस्य उपस्थित थे।

जसवंतपुरा में क्रिकेट प्रतियोगिता प्रारंभ, पहला मैच बरण टीम ने जीता

स्मार्ट हलचल | भेरुलाल गुर्जर

बेरा। बनेड़ा उपखंड क्षेत्र के जसवंतपुरा गांव में सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हुआ । श्री बजरंग क्रिकेट क्लब जसवंतपुरा के तत्वधान में सात दिवसीय आयोजित होने वाली इस क्रिकेट प्रतियोगिता में आयोजन कमेटी की ओर से विजेता टीम को पारितोषिक के रूप में 15000 रुपए नगद और ट्रॉफी तथा उप विजेता टीम को 7000 रुपए नगद और ट्रॉफी दी जाएगी । सरपंच प्रतिनिधि सुवालाल गुर्जर ने बताया कि पहला मैच रायला व बरण टीम द्वारा खेला गया जिसमें बंरण टीम विजेता रही इस मौके पर शिवलाल माली रामप्रसाद माली गोवर्धन नारायण लाल शर्मा गोपाल लाल गुर्जर राधेश्याम गुर्जर सत्तू गुर्जर रामपाल माली राधेश्याम लोहार ओम प्रकाश गुर्जरएवं कहीं ग्रामीण एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

शाखा हमारे अंदर सद्गुणों का विकास करती हैं: कीर्ति सोलंकी

राष्ट्र सेविका समिति भीलवाड़ा विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रारंभिक शिक्षा वर्ग का चतुर्थ दिन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। संगठन की मूल जड़ शाखा है शाखा हमारे अंदर सदुणों का विकास करती हैं। शाखा के माध्यम से हम हमारा शारीरिक, बौधिक और चारित्रिक विकास करते हैं। महिलाओं के विकास सुरक्षा और सामाजिक विकास के लिए मातृ शक्ति को प्रतिदिन एक घंटा निकाल कर राष्ट्र के लिए अपना समय समर्पण अवश्य करना चाहिए। यह बात राष्ट्र सेविका समिति भीलवाड़ा विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रारंभिक शिक्षा वर्ग के चौथे दिन मुख्य वक्ता प्रांत तरुणी प्रमुख कीर्ति सोलंकी (एडवोकेट) ने कही। सोलंकी ने कहा की शाखा हमारे व्यक्तिव व सदुण विकास का मूल केंद्र हैं शाखा सदुण निर्मिति का केंद्र है। और सदुणों से युक्त व्यक्ति ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। वर्ग कार्यवाहिका मनीषा जाजू ने बताया की वर्ग के चौथे दिन मुख्य वक्ता सोलकी ने शाखा के महत्व व व्यक्तित्व विकास के लिए शाखा का महत्व विषय पर उद्बोधन दिया। साथ ही मुख्य अतिथि के रूप अश्विनी बिश्नोई मौजूद रही। बिश्नोई ने बताया कि जब हम संघर्ष करते हैं तो हम अकेले होते हैं पर हमारी सफलता के साथ पूरी दुनिया साथ होती है हमको हमारा एक लक्ष्य निर्धारित करके उसके पीछे लग जाना चाहिए तभी सफलता प्राप्त होगी हमको हमारी दैनिक दिनचर्या बनाके उसका पालन करना चाहिए। जो आप आज राष्ट्र सेविका समिति के इस वर्ग में सीख रहे हैं। समिति की वर्ग कार्यवाहिका नैना सोनी ने बताया की हम सभी को एक जुट हो एक साथ मिल कर कार्य करना चाहिए और महिलाओं हमेशा समाज में अपना पूर्ण योगदान देते रहना चाहिए। इस अवसर पर समिति के सुशीला पारीक, रेखा सोनी, आशा शर्मा, माया लढ़ा, बसंता पाराशर सहित अन्य कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक धाकड़ की मूर्ति अनावरण एवं निशुल्क जांच शिविर को लेकर बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। पूर्व विधायक विवेक धाकड़ के जन्मदिन तथा पुण्य तिथि पर विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्य करने की तैयारियों को लेकर आज पूर्व जिला प्रमुख इंजीनियर कन्हैया लाल धाकड़ की उपस्थित में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई जिसमे कार्यकर्ताओं को अलग अलग जिम्मेदारी दी गई।

मांडल गढ़ के पूर्व विधायक स्वर्गीय विवेक धाकड़ के जन्मदिन 18 जनवरी को त्रिवेणी संगम महादेव स्थल पर आयोजित होने वाले विशाल चिकित्सा जाँच एवं उपचार शिविर तथा पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की पुण्य तिथि 4 अप्रेल को उनकी प्रतिमा के अनावरण तथा आदर्श धाकड़ विद्यापीठ विद्यालय के नवीन भवन के उद्घाटन के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भीलवाड़ा के पूर्व जिला प्रमुख इंजिनियर कन्हैया लाल धाकड़ की मौजूदगी में धाकड़ विद्यापीठ सीनियर सेकंडरी स्कुल के प्रांगण में कार्यकर्ताओं की सोमवार को बैठक हुई जिसमे उपर माल किसान पंचायत के अध्यक्ष नारायण लाल धाकड़, उपर माल धाकड़ समाज के अध्यक्ष मांगीलाल धाकड़, समाज के सामुहिक विवाह सम्मलेन के अध्यक्ष ओम प्रकाश धाकड़, थड़ौदा ग्राम पंचायत के प्रशासक राजेश धाकड़ एवम दुर्गेश धाकड़ रामफूल धाकड़ अनिल धाकड़ नरेश धाकड़ अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक में उक्त तीनों कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं ने विस्तार से चर्चा कर रूप रेखा बना कर अलग अलग जिम्मेदारी दी गई।

लुहारिया में 26 वां अब्दुल अजीज सा. चित्तौड़ी उर्स सम्पन्न

स्मार्ट हलचल | लुहारिया

मांडल उपखंड की लुहारिया पंचायत में हजरत सूफी अब्दुल अजीज़ सा. चितौड़ी रहमतुल्लाह अलैहि का 26 वां उर्स ए अजीजी लुहारिया शरीफ में अकीदत के साथ मनाया गया। लुहारिया शरीफ़, मांडल (भीलवाड़ा)।दरगाह सदर मुस्तफ़ा खान पठान ने बताया कि सूफी हजरत अब्दुल अजीज़ सा. चितौड़ी रहमतुल्लाह अलैहि का 26 वा उर्स मुबारक के मौके पर लुहारिया शरीफ़ में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। उर्स के दौरान सुबहा फज्र की नमाज बाद आस्ताने शाही मजार पर कुरआन खानी दारुल उल्लुम के मुदर्रिस ओर तलबा ने की जोहर नमाज बाद जुलूस के साथ चादर शरीफ गाँव वालों की तरफ से पेश की गई फातिहा ओर दुआ हुई फिर कार्यक्रम के अंतर्गत 3 बजे आल मुस्लिम समाज का इज्तेमाई निःशुल्क विवाह (निकाह) का आयोजन किया गया।जिसमें आस -पास से आये 18 जोड़ों का विवाह (निकाह) सुन्नत तरीके से सम्पन्न हुआ। उर्स में दूर-दराज़ से आए अकीदतमंदों ने शिरकत की और अमन-चैन, भाईचारे व मुल्क की तरक़्क़ी के लिए दुआएँ कीं। अतिथि गांव के ठा. मणिराज सिंह चुण्डावत ने कहा इस तरह के आयोजन समाज को नई दिशा दिखाते है जो कन्यादान करना धार्मिक काम है जो बहुत ही सराहनीय है हर साल 26 सालों से मेरी अजीजी उर्स में शिरकत होती है और मुस्लिम समाज को शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देना है ताकि समाज को तरक्की मिले और गाँव ओर देश का नाम रोशन करे। मुख्य अतिथि सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया (एसडीपीआई) के प्रदेश अध्यक्ष अशफाक़ हुसैन,श्याम जी सोनी सहित बाबू लाल सोनी रामेश्वर मालवीय,रामलाल गाडरी, सुरेश खारोल, अज़ीज़ हुसैन, रज़ाक अंसारी, इक़बाल मंसूरी,कपासन सदर असफाक सा. गुड्डू भाई ,शाहिद पठान, आज़ाद जावेद एवं हाजी सलीम अंसारी,जाकिर हुसैन, परवेज़ शेख, आसिफ अंसारी (एडवोकेट) मांडल, वासिफ पठान,बाबू भाई ,मुस्तफ़ा भाई मोडासा गुजरात सहित अन्य अतिथियों का माला व साफ़ा पहनाकर गर्मजोशी से इस्तक़बाल किया।

इस अवसर पर उलेमा-ए-किराम यूपी बरेली से आला हजरत के खानदान मौलाना तौसीफ मिया साहब उनके बेटे मुफ़्ती फेज अजहरी साहब सैयद मुकीमउर रहमान सा., रामपुर कारी शकील सा.,भीलवाड़ा मुफ़्ती मुज्जमिल सा. मुफ़्ती शाकिब मौलाना सदरुल हसन ने सूफी परंपरा, इंसानियत, आपसी भाईचारे और समाज में नेक अमल की अहमियत पर अपने विचार रखे। पूरे आयोजन का माहौल रूहानियत, अमन और मोहब्बत से सराबोर रहा। रात को प्रोग्राम के दौरान लुहारिया शरीफ दारुल उलूम गोसिया अजीजिया में पढ़ने वालों बच्चों -बच्चियों की दस्तारबन्दी हुई 04 हाफिजे कुरआन ओर0 6 लड़कियों को तजविद कीरत की सनद के साथ मेमोटो देकर सम्मानित किया। दरगाह सदर ने पुलिस जवानों का शुक्रिया अदा किया जो उन्होंने इतनी ठंड में रात भर जायरीनों की सुरक्षा व्यवस्था देखी। दरगाह कमेटी ने भी पुलिस जवानों अधिकारियों का ख्याल रखा उनकी मेहमान नवाजी की दरगाह सेकेट्री फारूक खान ने बताया कि उर्स के मौके पर आस-पास करेड़ा, माण्डल, भीलवाड़ा, बागोर, भगवानपुरा, दांता के पेश इमाम मुदर्रिस सभी को दवात दी गई व सभी ने रात भर प्रोग्राम में हिस्सा लिया। दरगाह खजांची आरिफ खान ने सभी मेहमानों ओर जायरीन का शुक्रिया अदा किया।

जीनगर समाज का 17 वां जिला स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह संपन्न

उदयपुर की शिक्षाविद एवं साहित्यकार किरण बाला जीनगर रही मुख्य अतिथि, 501 प्रतिभाओं का भव्य सम्मान, शिक्षा को बताया समाज की प्रगति का आधार

स्मार्ट हलचल |उदयपुर

जीनगर युवा संघर्ष समिति की ओर से जीनगर समाज का 1। वां जिला स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह जगजीवन राम कॉलोनी भीनमाल जालोर में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में समाज की 501 मेधावी प्रतिभाओं को शिक्षा, सेवा, तकनीक,व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मेवाड़ की किरण नाम से प्रख्यात शिक्षाविद् एवं साहित्यकार प्रधानाचार्य किरण बाला जीनगर, उदयपुर रही जबकि अध्यक्षता डूंगरमल प्रबंधक निदेशक, सरस डेयरी रानीवाड़ा ने की। विशिष्ट अतिथि तेजाराम भू अभिलेख निरीक्षक, अशोक कुमार सेवानिवृत अध्यापक, चंपालाल भू अभिलेख निरीक्षक, पवनी देवी समाज सेवी, मंछाराम प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी सहित समाज के अनेक प्रबुद्ध जन शिक्षाविद एवं गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे।

जीनगर युवा संघर्ष समिति भीनमाल के अध्यक्ष श्याम जीनगर ने बताया कि समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि किरण बाला जीनगर ने कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम है... प्रतिभाओं का सम्मान न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाता है अन्य सभी को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डूंगरमल ने समाज को शिक्षा अनुशासन एवं संस्कारों के मार्ग पर अग्रसर रहने का आह्वान किया। समारोह की व्यवस्था

में पंजीयन मंच संचालन, अतिथि सत्कार, भोजन व्यवस्था समाज के कार्यकर्ताओं द्वारा अनुकरणीय ढंग से निभाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज बंधु अभिभावक युवा वर्ग एवं नागरिक उपस्थित रहे जिससे आयोजन अत्यंत सफल रहा कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, दानदाताओं, सहयोगकर्ता एवं समाज जनों का आभार व्यक्त किया। समारोह ने समाज में शिक्षा प्रतिभा सम्मान एवं प्रेरणा का मजबूत संदेश देते हुए एक बार फिर यह सिद्ध किया कि जीनगर समाज शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर है।

मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड व सिल्वर मेडल

समाज में कक्षा दसवीं एवं 12वीं, स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 65% एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया वहीं इन सभी प्रतिभाओं में अव्वल बालक व बालिका को गोल्ड मेडल तथा इसके साथ ही समाज की विशिष्ट प्रतिभा को जीनगर रत्न का सम्मान से अलंकृत किया गया।

नकद पुरस्कार देखकर बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार राशि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को 5100 और 6000 के सम्मान राशि देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के पुरस्कार विद्यार्थी को निरंतर बेहतर करने की प्रेरणा देते हैं।

पीसी टेबलेट प्राप्त कर बच्चों के चेहरे पर मुस्कराहट

द्वितीय अव्वल छात्र व छात्रा तथा जीनगर रत्न को पीसी टेबलेट बांट कर अपनी पढ़ाई को और सुदृढ़ करने का दिया संदेश

विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वालों का भी सम्मान

समाज में केवल शैक्षिक ही नहीं बल्कि शिक्षा, सेवा, तकनीकी व्यवसायी , सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में भी समाज का नाम रोशन करने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया इस सम्मान से समाज में सकारात्मक सोच एवं सामाजिक सहभागिता को भी बल मिला।

प्रवासी राजहंस ग्रे लेग का रेस्क्यू

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

जलधारा विकास संस्थान के अध्यक्ष महेश चंद्र नवहाल ने शास्त्रीनगर के बी 365 में महावीर प्रसाद जैन के घर समाज सेवी कमला देवी चौधरी के द्वारा घायल होकर उड़ नहीं पाने को देख कर वन विभाग की टीम को सूचित कर रेस्क्यू किया। राजहंस के पंखों के किनारे पर घाव होने के कारण यह उड़ नहीं पा रहा था। वन विभाग के अधिकारी सोहनलाल मौके पर पहुंचे एवं राजहंस को रेस्क्यू करके ले गए ।

राजहंस ग्रेलेग गूज (राजहंस) प्रवासी पक्षियों की वह प्रजाति है जो साइबेरिया से उड़ कर आती है। इसकी उड़ने की क्षमता विलक्षण है। यह एवरेस्ट के ऊपर उडता देखा गया है । यह पक्षी शाकाहारी है। तालाबों में तैरता है परंतु तालाब से बाहर जाकर उगी हुयी नर्म घास की जडे खाता है ।आसपास के खेतों में जाकर छोटे-छोटे उगे हुए पौधे उसके पत्ते , जड़ आदि का खाता है। लाल चोंच व लाल पैरों वाला साइबेरिया का यह पक्षी हमारे यहां आकर हमारी जैव विविधता एवं पर्यावरण को समृद्ध करता है।

4000 मैट्रिक टन ब्रिक अर्थ का अवैध स्टॉक पकड़ा

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

अरावली संरक्षण को लेकर राज्य सरकार ने प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सोमवार से अरावली विस्तार वाले जिलों में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर विशेष अभियान प्रारंभ किया। इसी कड़ी में उदयपुर में जिला कलक्टर के निर्देशन में खनन, वन, राजस्व, पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीमें अवैध खनन पर निगरानी रख रही है। अभियान के पहले दिन संयुक्त टीम ने वल्ल्लभनगर में ईंट भट्टे पर कार्यवाही करते हुए बड़ी मात्रा में खनिज बिक्र अर्थ का अवैध भण्डारण पकड़ा। खनि अभियंता आसिफ अंसारी ने बताया कि अभियान के दौरान संयुक्त निरीक्षण/जांच दल ने वल्लभगनर क्षेत्र में उदा खेड़ा गांव में 4000 मैट्रिक टन ब्रिक अर्थ का अवैध स्टॉक पाया। इस पर प्रकरण बनाया जाकर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। श्री अंसारी ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन में आगामी 15 जनवरी तक जिला एवं उपखण्ड स्तर पर संयुक्त टीमें नियमित निगरानी करते हुए अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही करेंगी।

जैन सोशल ग्रुप 'मेन' उदयपुर की दिसंबर मासिक बैठक भव्य सम्मान समारोह के रूप में संपन्न

स्मार्ट हलचल |उदयपुर

जैन सोशल ग्रुप 'मेन' उदयपुर की दिसंबर मासिक बैठक भव्य सम्मान समारोह के रूप में मनाई गई। मीडिया प्रभारी प्रो. विमल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम हास्य योग, नवकार मंत्र जाप, ग्रुप प्रार्थना एवं फेडरेशन सूत्र के साथ आरंभ हुआ। अध्यक्ष के.एस. नलवाया ने मंचासीन अतिथियों एवं ग्रुप के सभी दंपति सदस्यों को नव वर्ष-2026 एवं चार्टर दिवस (7 जनवरी, 2026) की अग्रिम हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रभु से प्रार्थना की कि नव वर्ष सबके लिए मंगलकारी हो। उन्होंने माह में जन्मदिन वाले सदस्यों, शादी की सालगिरह वाले दंपतियों, तपस्वीजन, शादी के 50 वर्ष पूर्ण करने वाले दंपतियों, 80

या 70 वर्ष पूर्ण करने वाले वरिष्ठ सदस्यों तथा शैक्षणिक स्तर पर विशेष योग्यता प्राप्त बच्चों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अध्यक्ष ने बताया कि अप्रैल 2025 से अब तक सेवा कार्य के तहत सदस्यों के सहयोग से 140 कार्यों में कुल 11,54,300 रुपये खर्च किए गए। मार्च 2026 में एक यात्रा प्रस्तावित है, जिसकी विस्तृत जानकारी समय पर दी जाएगी। सम्मान समारोह में 11 तपस्वीजन, 9 शादी के 50 वर्ष पूर्ण करने वाले दंपतियों को माला-शॉल-मोमेंटो एवं गिफ्ट सेट, 5 वरिष्ठजनों (80 वर्ष पूर्ण) एवं 15 वरिष्ठजनों (70 वर्ष पूर्ण) को माला-उपरणा-मोमेंटो एवं गिफ्ट सेट तथा 7 शैक्षणिक क्षेत्र में विशेष योग्यता प्राप्त बच्चों को माला-उपरणा-मोमेंटो एवं गिफ्ट सेट से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डॉ. ओ.पी. चपलोत, श्री सुभाष मेहता, श्री शांतिलाल मेहता, श्री कमल कोठारी, श्री अशोक नागोरी, श्री संतोष जैन एवं श्री भोपाल सिंह दलाल का विशेष योगदान रहा, जिन्हें हार्दिक धन्यवाद एवं साधुवाद। सदन संचालिका श्रीमती उषा जी दक का कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु स्वागत-सम्मान किया गया। अंत में सचिव श्री गौतम कुमार नागौरी ने सभी सदस्यों का शांतिपूर्ण सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष श्री हरक लाल जी दूगड़ की धर्मपत्नी के स्वर्गवास पर दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रगान के बाद स्वरुचि भोजन के लिए आमंत्रित कर बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

पप्पू चावला बने खटीक समाज के अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल|शाहपुरा

शाहपुरा खटीक समाज के मंशापूर्ण महादेव व राधा कृष्ण मन्दिर के शिव शक्ति धर्मशाला में खटीक समाज द्वारा खटीक समाज की सर्वसहमति से पप्पू चावला को खटीक समाज का अध्यक्ष हेतु चुना गया।पप्पू चावला को समाज द्वारा माला पहनाकर व मुह मिटा करवाकर समाज जनों द्वारा अध्यक्ष नियुक्त किया गया।समाज के नए अध्यक्ष बनने पर समाज मे खुशी की लहर छाई।

नए अध्यक्ष पप्पू चावला ने बताया कि मुझे समाज का अध्यक्ष बनाये जाने पर समाज जन का आभार व्यक्त करता हु।में समाज के लिए हर दम तैयार रहुगा व समाज मे कुरीतियों को बंद करने के प्रति तैयार रहुगा।

इस कार्यक्रम में समाज के पूर्व अध्यक्ष छगन बाछड़ा, पूर्व अध्यक्ष मूलचंद खोईवाल, धानेश्वर के पूर्व अध्यक्ष कालूराम बाछड़ा, रामस्वरूप खींची, पूर्व पार्षद राजू टेपण, पूर्व पार्षद शंकर चावला, खनिराम खोईवाल, सत्यनारायण चंदेल, मदन बाछड़ा,गजराज सोलंकी, सत्य नारायण चावला, नेमीचंद सोलंकी, नन्द किशोर टेपण, महावीर टेपण आदि समाज जन उपस्थित रहे।

मेवाड़ चैम्बर में हुआ ''निधी आपके निकट'' कैम्प का आयोजन

50 से अधिक कर्मचारी ने रखी समस्याएं

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। कर्मचारी भविष्य निधी संगठन उदयपुर की ओर से भविष्य निधी से जुडी समस्याओं के निराकरण के लिए ''निधी आपके निकट'' कैम्प का आयोजन मेवाड़ चैम्बर भवन में हुआ। इसमें उदयपुर कार्यालय के प्रवर्तन अधिकारी मुकेश कुमार डबगर एव शाखा पर्यवेक्षक सुनील जैफ ने कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं भविष्य निधी, पेंशन और बीमा संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाये। मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मानद महासचिव आरके जैन ने बताया कैम्प में विभिन्न उद्योगों के 50 से अधिक कर्मचारी एवं सेवानिवृत कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं रखी, जिसमें मुख्य रुप से पेंशन संबंधी समस्याएं थी। अधिकारियों ने इसके लिए आवश्यक फार्म भरने एवं पूर्व में किये गये आवेदनों में कमी को दूर करने की सलाह दी एवं मदद करके आवश्यक कार्य निष्पादित करवाया।

डॉ. रेखा सोनी बनी रोटरी डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 द्वारा रोटेरियन डॉ. रेखा सोनी को रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी - अटेंडेंस एवं मंथली रिपोर्टिंग के पद पर नियुक्त किया गया है। डॉ. रेखा सोनी वर्तमान में रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर मीरा की अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। उनके नेतृत्व में क्लब द्वारा स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक सेवा प्रकल्प प्रभावी रूप से संचालित किए जा रहे हैं। यह नियुक्ति रोटरी इंटरनेशनल के आगामी अध्यक्ष आरआई प्रेसिडेंट रोटेरियन ओलायिंका हकीम बाबालोला, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अरुण बगाडिया एवं डिस्ट्रिक्ट लर्निंग फैसिलिटेटर रोटेरियन अजय कला के मार्गदर्शन में की गई है। रोटरी

क्लब उदयपुर मीरा के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि क्लब को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि उसकी वर्तमान अध्यक्ष को डिस्ट्रिक्ट स्तर पर यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर प्रीति सोगानी, मधु सरीन, राजकुमारी गांधी, सीमा सिंह, शीतल मलिक, विजयलक्ष्मी गालुंडिया, डीजीएनडी दीपक सुखाडिया एवं प्रांत पाल प्रज्ञा मेहता ने रेखा सोनी को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भीलवाड़ा को मिली एक और पंचायत समिति, शंभूगढ़ के नाम पर मुहर

स्मार्ट हलचल |भीलवाड़ा

जिले के आसींद विधानसभा क्षेत्र के वासियों के लिए हर्ष का विषय है कि राज्य सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने शंभूगढ़ को नई पंचायत समिति घोषित करने के आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं।

24 ग्राम पंचायतों का होगा संगम

प्रशासनिक सुगमता को देखते हुए बनाई गई इस नई पंचायत समिति में आसींद विधानसभा क्षेत्र की तीन मौजूदा समितियों– बदनोर, हुरडा और आसींद की कुल 24 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। अब इन गांवों के ग्रामीणों को छोटे-बड़े सरकारी कामों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

विधायक के प्रयासों को मिली सफलता

शंभूगढ़ को पंचायत समिति बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। स्थानीय विधायक जबर सिंह सांखला इसके लिए निरंतर प्रयासरत थे और विधानसभा से लेकर शासन स्तर तक पैरवी कर रहे थे। आदेश जारी होने के बाद क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने विधायक का आभार जताया है।

क्षेत्र में जश्न का माहौल

जैसे ही शंभूगढ़ को पंचायत समिति बनाने की घोषणा हुई, समूचे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों का कहना है किः

अब सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और जल्दी मिल सकेगा।

शंभूगढ़ कस्बे में नए कार्यालय खुलने से विकास की गति तेज होगी। स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक पकड़ मजबूत होगी।

श्री वैश्य चित्तौड़ा महासभा संस्था राज-स्थान के चुनाव बिजोलिया मे संपन्न

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। श्री वैश्य चित्तौड़ा महासभा संस्था राज-स्थान के द्विवार्षिक चुनाव चित्तौड़ा उत्सव भवन, बिजोलिया, जिला भीलवाड़ा मे दिनांक 28-12-2025, रविवार को संपन्न हुए। अध्यक्ष-मुकेश चित्तौड़ा, उपाध्यक्ष - सुरेश चन्द्र चित्तौड़ा, महासचिव - मथुरेश चित्तौडा, कोषाध्यक्ष - योगेश चित्तौड़ा, सह सचिव- उमाशंकर चित्तौड़ा,अंकेक्षक - सीए सुमित चित्तौड़ा चुने गये। जिलेवार से 25 कार्यकारणी सदस्य चुने गये। चुनाव अधिकारी शिव प्रसाद चित्तौड़ा द्वारा पद, गोपनीयता एवं समाज हित मे कार्य करने की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात आगामी बसंत पंचमी महोत्सव के आयोजन पर चर्चा की गई। तत्पचात अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा सभी उप-स्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

महंत गोपाललाल पाराशर की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आज

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

श्री तिलस्वां महादेव मन्दिर महंत स्व. श्री गोपाल लाल जी पाराशर जी की पूण्य स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा होंगी।

नीलकंठ रिसोर्ट तिलस्वां महादेव स्थित 30 दिसम्बर 2025, मंगलवार प्रातः10 बजे से सांय 5 बजे तक होगा।

पुजारी घनश्याम पाराशर, गिरधर पाराशर ने बताया की महंत राम प्रिय दास जी हनुमान आश्रम थडोद,महंत पूर्णाशंकर पाराशर तिलस्वां महादेव मंदिर के सानिध्य में मुख्य अतिथि विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल,

वशिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक बद्री प्रसाद गुरूजी, पूर्व प्रधान कैलाश मीणा, जोगणिया माता संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी, तिलस्वां महादेव मंदिर ट्रस्ट

अध्यक्ष रमेश अहीर, ट्रस्ट सचिव मांगीलाल धाकड़, पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय, उप प्रधान कैलाश धाकड़, भवानीशंकर पाराशर, सुरेश पाराशर, उपखंड अधिकारी अजीत सिंह, बिजोलिया थाना प्रभारी सी आई स्वागत पांडेय, तहसीलदार ललित डीडवानिया, जिला परिषद सदस्य अंकित तिवाड़ी, डॉक्टर दुर्गाशंकर मेहर, डॉक्टर महेश पारीक, पत्रकार संघ, सरपंच कैलाश रेगर, श्याम लाल अहीर, गोपल अहीर, राकेश वैष्णव, दयाशंकर जोशी सहित कई लोंग उपस्थित रहेंगे।

अरावली बचाओ जनजागरण पैदल मार्च आयोजित हुआ

स्मार्ट हलचल |बनेड़ा

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में ब्लॉक अध्यक्ष नारायण गाडरी की अध्यक्षता में सोमवार को अरावली जनजागरण पैदल मार्च निकाला गया ।

यूथ कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट नरेन्द्र गुर्जर ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे राजस्थान में कांग्रेस पार्टी द्वारा अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर अरावली बचाओ जन आंदोलन किया जा रहा है, आज इसी क्रम में बनेड़ा ब्लॉक में

ग्राम लापिया में बैठक आयोजित हुई, बैठक में कहा कि अरावली पर्वत श्रंखला को खनन के नाम पर नष्ट किया जा रहा है, अरावली केवल पहाड़ नही यह हमारे जंगल, जमीन, जल और हमारी सुरक्षा की रीढ़ है, ओर इसे बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी हर संभव प्रयास करेगी । बैठक के बाद लापिया गांव से अमरपुरा चौराया तक पैदल मार्च निकाला गया । इस दौरान मण्डल अध्यक्ष कैलाश भाटी, बनेड़ा मंडल अध्यक्ष हरिलाल गुर्जर, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष नारायण गुर्जर, अल्पसंख्यक ग्रामीण जिलाध्यक्ष इकबाल खान, इमरान पठान, रतन गाडरी, नारायण खेडलिया, मुकेश जाट, समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

7 जूडो खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

श्रीराम व्यायामशाला जूडो सेन्टर पुर के खिलाड़ीयों ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुवे 69वी स्कूली राष्ट्रीय जूडो 14 वर्षिय (स्स्नद्ध) खेलकुद प्रतियोगिता में श्रीराम व्यायामशाला के 7 खिलाड़ीयों का चयन उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीयस्तर पर किया गया । जिला जूडो कोच चेतन चोबे ने बताया कि यह चयनित खिलाड़ी अलग अलग भार वर्ग में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे । धर्मेश आचार्य , नमन विश्नोई (आ.विधा भारती), दिपांशी खोईवाल (केन्द्रिय विद्यालय), कृष्णा राजोरा, आरती आचार्य , भावना विश्नोई, रिंकू गुर्जर सभी जूडो खिलाड़ी दिनांक 6 से 11 जनवरी 26 को लुधियाना (पंजाब) में होने वाली राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगें । इस अवसर पर श्रीराम व्यायामशाला के उस्ताद गिरिराज चोबे, जूडो प्रशिक्षक भगवती लाल शर्मा व जगदीश राजोरा, देवीलाल खारोल, बाबू लाल गाडरी, शिव लाल खारोल, मनोज चतुर्वेदी, पुष्कर तेली, यशपाल खोईवाल, राजेन्द्र आचार्य, प्रकाश राजोरा, परसराम जाट, मुकेश, मनोज, सत्यनारायण, विशाल ओर जूडो खिलाड़ियों ने तथा खेल प्रेमियों द्वारा बधाई दी गई।

श्यामगढ़ पंचायत के राहुल का भारतीय सेना में चयन, हुआ स्वागत

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। श्यामगढ़ पंचायत के फूल जी की खेड़ी गांव निवासी राहुल मीणा पुत्र सीताराम के भारतीय सेना में चयन होने पर खुशी का माहौल है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर ग्रामवासियों द्वारा उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। सेना में चयन के बाद राहुल मीणा के लाडपुरा चौराहे पर पहुंचने पर ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि राहुल का सेना में चयन क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने देशसेवा के जज्बे की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ 400 गुरुदीक्षा संस्कार

स्मार्ट हलचल|बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित लक्ष्मी भवन परिसर में गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में चार दिवसीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि 24 कुंडिय गायत्री महायज्ञ का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ।

24 कुण्डीय महायज्ञ में करीब 500 श्रद्धालुओं ने यज्ञ में भाग लिया जिसमे सुख शांति व लोकमंगल के लिए हजारों आहुतिया दी गई। तथा स्कूली बच्चों सहित करीब 400 व्यक्तियों ने गुरु दीक्षा ली। साथ ही विभिन्न संस्कार निशुल्क संपन्न हुए।

शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे मुख्य टोली नायक परमेश्वर लाल जी

साहू एवं साथियों के सानिध्य में यज्ञ संपन्न हुआ । टोली नायक ने बताया कि मनुष्य का जीवन बिना गुरु के लक्ष्य विहीन नाव की तरह होता है अतः जीवन में गुरु का होना आवश्यक है और प्राचीन समय में बच्चों को गुरुकुल में इसीलिए भेजा जाता था ताकि उन पर गुरु का नियंत्रण स्थापित हो सके क्योंकि छोटे बच्चे गीली मिट्टी की तरह होते हैं उसे चाहे जैसा ढाला जा सकता है बड़े होने पर संस्कार प्रभाव दिखाने लगते हैं अतः बदलना कठिन होता है उन्होंने बच्चों में अच्छे संस्कार के लिए गुरु का नियंत्रण स्थापित करने की बात कही। आयोजन समिति ने दीक्षा संस्कार में युवाओं के लिए सभी सेट निशुल्क दिए । तत्पश्चात भोजन प्रसाद रहा।

यज्ञ को लेकर सभी मे विशेष उत्साह देखने को मिला।

महायज्ञ के तृतीय दिवस मंगलवार को प्रातः यज्ञ के साथ सामूहिक पुंसवन संस्कार,अन्नप्राशन, यज्ञोपवीत,जन्मदिवस इत्यादि संस्कार निशुल्क संपन्न कराए जाएंगे। एवं कल शाम को 2100 दीपकों के साथ विशाल भव्य दीप यज्ञ संपन्न कराया जायेगा।

आवारा जानवरों को पकड़वाने की मांग

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

कस्बे से आवारा जानवरों को पकड़वाने की मांग नगर पालिका के अधिकारियों से की गई है। कस्बे के लोगों ने नगर पालिका प्रशासक हेमराज गुर्जर एवं अधिशासी अधिकारी रीना खंडेलवाल से बाजार एवं आबादी क्षेत्र में घूमने वाले आवारा जानवरों को पकड़वाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता केदार मीणा सहित काफी लोगों ने बताया कि कस्बे के आबादी क्षेत्र में काफी संख्या में आवारा सांड एवं गौवंश घूम रहे हैं। आवारा सांड आए दिन लोगों पर हमले बोल रहे हैं। नगर पालिका अधिकारियों से मांग की गई है कि आवारा सांडों एवं गौवंश को पकड़वाकर अन्यत्र पहुंचाया जाए।

सुरक्षा की दृष्टि से पुराने पंचायत भवन का हो मुल्यांकन, नाकारा घोषित होने पर हटवाया जाना आवश्यक

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

तलवास ग्राम में पुराना पंचायत भवन लम्बी अवधि से जर्जर हो रहा है। भवन की पट्टियां टूटी हुई है। प्लास्टर टूटा हुआ है। मरम्मत के अभाव में लगातार भवन क्षीण होता जा रहा है। यह भवन ग्राम के आम रास्ते के पास है। यह भवन कभी भी गिर सकता है। आम रास्ते पर होने से जन धन हानि की सदैव संभावना बनी रहती है।

ग्राम पंचायत द्वारा इस भवन की स्थिति का आंकलन करवाया जाना आवश्यक है। यह भवन नाकारा साबित हो तो तुरंत हटवाने की कार्यवाही अपेक्षित हैं अन्यथा मरम्मत करवा कर भवन गिरने की संभावना को समाप्त करने की कार्यवाही की मांग की जा रही है।

इनका कहना है--

यह पंचायत भवन पुराना है। भवन की पट्टियां टूटी हुई है जिसकी वजह से इसका उपयोग नहीं लिया जा रहा है। भविष्य में इस भवन का मुल्यांकन करवाया जावेगा। नाकारा साबित होने पर हटवाने की कार्यवाही की जाएगी।

राजेश प्रजापति, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत तलवास बूंदी।

पुराना पंचायत भवन लम्बे समय से क्षीण हो रहा हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसको हटवाया जाना ही उपर्युक्त होगा। आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

मूलचंद शर्मा, सचिव तलवास ग्राम विकास समिति, तलवास, बूंदी।

डोल्या ग्राम सेवा सहकारी समिति की बैठक में फसल बीमा व ऋण वसूली पर चर्चा

सहकार से सशक्त किसान होगा किसान – राठौड़

स्मार्ट हलचल | कोटा

डोल्या ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड पंचायत समिति लाडपुरा, जिला कोटा की संचालक मंडल एवं ऋण वितरण बैठक समिति कार्यालय एवं गोदाम, मुख्य आवास डोल्या में आयोजित की गई। बैठक समिति अध्यक्ष निहाल सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में पिछली बोर्ड मीटिंग के प्रस्तावित कार्यों की पुष्टि की गई। इसके साथ ही समिति की एफआईजी आईडी पोर्टल को नवनियुक्त सचिव सतीश सिंह राठौड़ के नाम मैपिंग करने तथा बैंक से लेन-देन संबंधी अधिकार प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों का फसल बीमा कराने, अवधिपार ऋण वसूली, समिति के विभिन्न खर्चों की पुष्टि सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।

ऋण वितरण बैठक के दौरान किसानों को 3.50 लाख रुपये के ऋण वितरित किए गए। साथ ही अध्यक्ष निहाल सिंह राठौड़ द्वारा किसानों को खाद के कट्टों का वितरण भी किया गया, जिससे कृषकों को राहत मिली।

बैठक में कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ भी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुनते हुए उनके समाधान पर बल दिया तथा समिति परिसर की चारदीवारी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।बैठक में उपस्थित संचालकों एवं सदस्यों ने समिति की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए अपने सुझाव भी रखे।

नैटकॉन-2025 में कोटा की डॉ. मीनाक्षी शारदा को बेस्ट टीचर अवॉर्ड

आईएमए के राष्ट्रीय अधिवेशन में कोटा को चिकित्सकों ने किया गौरंवित मिले दो राष्ट्रीय पुरस्कार

स्मार्ट हलचल | कोटा

भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के 100वें राष्ट्रीय अधिवेशन नैटकॉन-2025 के दौरान कोटा की दो चिकित्सकीय हस्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह अधिवेशन 26-28 दिसंबर 2025 को अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित हुआ।

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. मीनाक्षी शारदा को आईएमए की ओर से बेस्ट टीचर अवॉर्ड (क्लिनिकल टीचिंग) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें क्लिनिकल शिक्षण में उनके दीर्घकालिक, समर्पित और प्रभावी योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान न केवल डॉ. शारदा की शैक्षणिक उत्कृष्टता को रेखांकित करता है, बल्कि कोटा के चिकित्सा जगत के लिए भी गर्व का विषय है।

इसी अवसर पर डॉ. दीपक गुप्ता को वर्ष 2024-25 के दौरान उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए आईएमए नेशनल प्रेसिडेंट्स एप्रिसिएशन अवॉर्ड (श्रेष्ठ मानद सचिव - स्थानीय शाखा) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारतीय चिकित्सा संघ के प्रति उनके समर्पण, नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक योगदान के लिए दिया गया।

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीसीसीआई चेयरमैन जय शाह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली ने की, जबकि आईएमए की राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सरबरी दत्ता सहित देशभर से अनेक वरिष्ठ चिकित्सक एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कोटा से जुड़े चिकित्सकों को मिले ये राष्ट्रीय सम्मान आईएमए कोटा शाखा और राजस्थान प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माने जा रहे हैं।

पैरामेडिकल संवर्ग के 4 हजार पदों पर मेरिट बोनस अंक के आधार पर भर्ती की मांग

स्मार्ट हलचल । सुनेल

पैरामेडिकल संवर्ग कर्मचारियों के द्वारा अपनी प्रमुख मांगो को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं को सफल बनाने वाले अल्प मानदेय पर लैब टेक्नीशियन, सहायक रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्निशियन एवं अन्य पैरामेडिकल कैडर्स के हजारों कार्मिक निविदा, संविदा, प्लेसमेंट, एनएचएम, पी पी पी अन्य माध्यमों से कार्यरत है, स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारु संचालन हेतु पिछले बजट में घोषित पैरामेडिकल के 1500 पदों को बढ़ाकर 4000 पदों पर भर्ती प्रक्रिया मेरिट बोनस अंक (10,20,30) के आधार पर कराई जाए। पैरामेडिकल संवर्ग के संविदा/निविदा/अल्पवेतन भोगी कार्मिकों के अनुभव एवं सेवाओं को सम्मान देते हुए इन पदों यथा लैब टेक्नीशियन-2500, सहायक रेडियोग्राफर-830, ईसीजी टेक्निशियन-250, डेंटल टेक्निशियन-180, ऑप्थेल्मिक टेक्निशियन 240 पदों पर आगामी भर्ती प्रक्रिया मेरिट बोनस अंक (10,20,30) के आधार पर कराई जाए। उपर्युक्त मांगे न केवल कार्यरत अनुभवी कार्मिकों के साथ न्याय सुनिश्चित करेंगी, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को भी सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाएंगी। जनहित, स्वास्थ्य हित एवं युवाओं के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए हमारी मांगी पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेवे। अन्यथा पैरामेडिकल सवर्ग को विवश होकर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक आदोलन का मार्ग अपनाना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान सभी संविदा एवं पैरामेडिकल कर्मचारी मौजूद रहे।

नियमितीकरण की मांग को लेकर पंचायत शिक्षकों ने भरी हुंकार, मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रदेश के 23,740 संविदा कर्मियों को नियमित करने की उठाई मांग

आगामी माह में बड़े अधिवेशन और आंदोलन की तैयारी में जुटा संघ

स्मार्ट हलचल | बूंदी

राजस्थान पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक संघ बूंदी द्वारा सोमवार को जिला कलेक्टरेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। संघ के जिला अध्यक्ष मनोज खटीक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पहुंचे शिक्षाकर्मियों ने अपनी एक सूत्रीय मांग 'नियमितीकरण' को लेकर हुंकार भरी।

संघ के जिला महासचिव वरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश भर में 23,740 पंचायत शिक्षक और विद्यालय सहायक संविदा सेवा नियम 2022 के अंतर्गत अडॉप्ट किए जा चुके हैं, लेकिन सरकार उन्हें अब तक नियमित नहीं कर पाई है। लंबे समय से अल्प वेतन पर कार्य कर रहे ये संविदा कर्मी अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं।

बैठक में बनी आगामी रणनीतिः ज्ञापन सौंपने से पूर्व कलेक्टरेट परिसर स्थित नॉलेज पार्क में जिला अध्यक्ष मनोज खटीक की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी माह में होने वाले प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियों और संगठन की मजबूती पर विस्तार से चर्चा की गई। ब्लॉक अध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों ने आगामी रणनीति पर अपने विचार साझा किए।

ये रहे मौजूदः

ज्ञापन के दौरान मुकेश भंदेड़ा, नरमोहन मीणा, जलील अहमद, सुनील कुमार शर्मा, हरी राज, रामदेव मीणा, हरि शंकर मेघवाल, प्रवीण शर्मा, कमल कुमार मेघवाल, सुरेंद्र प्रकाश नगर, संजय खटीक, वीरेंद्र सिंह, हेमराज, श्रवण कुमार, रमेश कुमार गुर्जर और मुकेश सहित बड़ी संख्या में पंचायत शिक्षक व विद्यालय सहायक उपस्थित रहे।

डोल्या ग्राम सेवा सहकारी समिति की बोर्ड बैठक संपन्न, 3.5 लाख का ऋण वितरण

स्मार्ट हलचल | कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल द्वारा कोटा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 04 की ओर स्थित पार्किंग का अनुबंध दिनांक 30.12.2025 को रात्रि 12.00 बजे से आगामी आदेश तक निरस्त कर दिया गया है।

यात्रियों को सूचित किया जाता है कि उक्त क्षेत्र में यात्री अपनी जोखिम पर वाहन पार्क करे, जिसके लिए रेल प्रशासन उत्तरदायी नहीं रहेगा। यह व्यवस्था अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या 01 की ओर स्थित पार्किंग व्यवस्था पूर्ववत संचालित रहेगी, जबकि प्लेटफॉर्म संख्या 04 की ओर किसी भी व्यक्ति को पार्किंग शुल्क का भुगतान न किया जाए।

बहादुरपुर की जाटव बस्ती के आम रास्ते में जल भराव की समस्या के विरोध में ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

ग्राम पंचायत मिल्कीपुरा के गांव बहादुरपुर की जाटव बस्ती के मुख्य रास्ते में लंबे समय से गंदे पानी एवं कीचड़ का जमाव होने के कारण आम जन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते में जल भराव की समस्या के विरोध में सोमवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों से जल भराव की समस्या का स्थाई समाधान करवाने की मांग की है।

सामाजिक कार्यकर्ता खेम सिंह एकोराशी, जगन जाटव, सियाराम जाटव, चंपा लाल, कैलाश कुमार सहित काफी महिला पुरुष आम रास्ते में एकत्रित हुए तथा विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बहादुरपुर की जाटव बस्ती के आम रास्ते में लंबे समय से गंदे पानी एवं कीचड़ का जमाव हो रहा है जिसकी वजह से जहां राहगीरों का आवागमन बाधित हो रहा है वहीं आए दिन लोग कीचड़ में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कीचड़ युक्त रास्ते से दुर्गंध पूर्ण वातावरण बना हुआ है।ग्रामीणों ने बताया कि इस बारे में कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है लेकिन अभी तक सुनवाई नहीं हुई है। जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने समस्या का समाधान करवा कर रास्ते में सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है।

अतिक्रमण के विरुद्ध केडीए एवं नगर निगम की सख्त संयुक्त कार्रवाई

स्मार्ट हलचल | कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा आज शहर में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के तहत 80 फीट रोड एवं बोरखेड़ा पुलिया के नीचे किए गए सभी अवैध अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटाया गया। केडीए के सचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि उक्त कार्रवाई केडीए के थाना अधिकारी सत्यनारायण के नेतृत्व में नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर की गई। कार्रवाई के दौरान संबंधित अतिक्रमणकर्ताओं को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण किया जाना विधि-विरुद्ध अपराध माना जाएगा, जिस पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों, पुलिया एवं शहरी परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। केडीए द्वारा इस प्रकार की सख्त एवं नियमित कार्यवाहियाँ आगे भी जारी रहेंगी, ताकि शहर में कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था एवं सार्वजनिक सुविधा बाधित न हो।

कला और चैरिटी का संगमः कोटा में 31 दिसंबर को सजेगी 'स्टार नाइट-न्यू ईयर पार्टी 2026'

नववर्ष की पूर्व संध्या पर कोटा बनेगा एंटरटेनमेंट हब, सितारों की रहेगी महफिल

स्मार्ट हलचल | कोटा

नववर्ष 2026 के स्वागत को लेकर कोटा शहर में 31 दिसंबर को भव्य 'स्टार नाइट-न्यू ईयर पार्टी 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में कला, मनोरंजन और चैरिटी का प्रभावशाली संगम देखने को मिलेगा। राधिका रिसॉर्ट, थेगड़ा रोड पर रात्रि 8 बजे से शुरू होने वाली यह स्टार नाइट शहरवासियों के लिए यादगार शाम बनने जा रही है।

कार्यक्रम में देश के चर्चित कॉमेडियन एवं कवि प्रताप फौजदार अपनी तीखी व्यंग्यात्मक शैली और सटीक हास्य से दर्शकों को गुदगुदाएंगे, वहीं लोकप्रिय गायक जे.डी. मेहंदी अपनी टीम के साथ लाइव म्यूजिक परफॉर्मेंस देकर युवाओं में जोश और उत्साह भरेंगे। आयोजक रॉकी शर्मा ने बताया कि स्टार नाइट में लाइव बैंड, कॉमेडी नाइट, ऊर्जावान डांसिंग ग्रुप तथा इंडिया गॉट टैलेंट से जुड़े कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां भी होंगी। अंतरराष्ट्रीय महिला संगीतकार सुनीता की प्रस्तुति कार्यक्रम को अलग ही ऊंचाई देगी, जबकि मंच संचालन अरुण सिंह चौहान करेंगे।

आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम से प्राप्त आय का उपयोग मूक-बधिर बच्चों की सुविधाओं एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में किया जाएगा, जिससे मनोरंजन के साथ सामाजिक सरोकार भी सशक्त होंगे। स्टार कलाकारों की मौजूदगी, हास्य और मधुर संगीत की प्रस्तुतियों तथा चैरिटी उद्देश्य के चलते 'स्टार नाइट-न्यू ईयर पार्टी 2026' को लेकर शहर में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर कोटा हंसी, ठहाकों और संगीत की मधुर धुनों से गूंजता नजर आएगा।

बोनस अंक व मेरिट आधारित भर्ती को लेकर उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

हिंडौन सिटी। आगामी बोनस अंक एवं मेरिट आधारित नवीन भर्ती की मांग को लेकर पैरामेडिकल संघर्ष समिति द्वारा उपखंड अधिकारी, हिंडौन सिटी को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन सोनू गारुवाल के नेतृत्व में दिया गया।

ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश में संविदा एवं निविदा पर कार्यरत पैरामेडिकल कर्मियों की लंबे समय से न्यायोचित मांगें लंबित हैं। लैब टेक्नीशियन सहित अन्य पैरामेडिकल संवर्गों के कई पद रिक्त होने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं और योग्य युवाओं को रोजगार का अवसर नहीं मिल पा रहा है।

संघर्ष समिति ने मांग रखी कि आगामी भर्ती प्रक्रिया 1965 के नियमों के अनुसार मेरिट एवं 10, 20, 30 बोनस अंकों के आधार पर शीघ्र प्रारंभ की जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिल सके और कर्मचारियों को न्याय मिल सके। उपखंड अधिकारी ने ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि मांगों को संबंधित उच्चाधिकारियों एवं राज्य सरकार तक यथोचित रूप से प्रेषित किया जाएगा। पैरामेडिकल संघर्ष समिति ने उम्मीद जताई कि सरकार शीघ्र ही स्वास्थ्यकर्मियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेगी और लंबित मांगों का समाधान होगा।

फिल्म 'गोल्डन आवर' बच्चों, युवाओं और परिवारों को देगी नई दिशा

कोटा शहर के सभी राजकीय विद्यालय में किया जाएगा प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | कोटा

सड़क सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई शॉर्ट फिल्म 'गोल्डन आवर' बच्चों, युवाओं ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार को नई दिशा देने का कार्य करेगी। इस उद्देश्य को लेकर दादाबाड़ी स्थित एक सभागार में फिल्म के कलाकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (कोटा शहर, प्राथमिक-माध्यमिक) स्नेह लता शर्मा रहीं। विशिष्ट अतिथियों में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लाडपुरा प्रतिभा तिवारी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर देवेश भारद्वाज, एमसीजे के प्रदेश अध्यक्ष नीरज गुप्ता तथा भारत स्काउट गाइड कोटा के कमिश्नर यज्ञदत्त हाडा शामिल रहे। कार्यक्रम में समाजसेवी विमल जैन, अरुण भार्गव, शरद गुप्ता, मनोज यादव और फिरोज ने भी कलाकारों को संबोधित किया।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर देवेश भारद्वाज ने अपने संबोधन में फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह की और फिल्मों का निर्माण किया जाना चाहिए।नीरज गुप्ता ने फिल्म के निर्माता, निर्देशक और कलाकारों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'गोल्डन आवर' के माध्यम से आमजन में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता और सड़क दुर्घटनाओं को लेकर मानवीय दृष्टिकोण विकसित होगा।

मुख्य अतिथि स्नेह लता शर्मा ने कहा कि जागरूकता केवल युवाओं या बुजुर्गों तक सीमित न रहकर प्राथमिक स्तर के बच्चों तक भी पहुंचनी चाहिए, ताकि वे अपने परिवारजनों को भी जागरूक कर सकें। प्रतिभा तिवारी ने सुझाव दिया कि भविष्य में बनने वाली फिल्मों में नए मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों को शामिल करते हुए शिक्षा विभाग और विद्यार्थियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए यज्ञदत्त हाडा ने बताया कि फिल्म के प्रदर्शन में स्काउट-गाइड एवं एनएसएस के प्रतिनिधि भी सहयोग करेंगे और इसे कोटा शहर के सभी स्कूलों में प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म के निर्माता महेंद्र महेश्वरी ने बताया कि चंद्रभागा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी 'गोल्डन आवर' की लोकप्रियता और उपयोगिता को देखते हुए शीघ्र ही 'गोल्डन आवर पार्ट-2' के निर्माण की भी योजना है।इस अवसर पर निर्देशक वकार अहमद, सिनेमेटोग्राफर संजय वर्मा तथा कलाकार रेखा वर्मा, मेघा पाठक, मेघा मंत्री, अंजनी पाठक, अंकुर गुप्ता, हर्षित दाधीच, नीरज गौतम, दिव्या शर्मा और अब्दुल सलाम सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने अरावली के मुद्दे पर किया प्रदर्शन, मशाल जुलूस निकाल कर सरकार को चेताया

अरावली बचाओ और पर्यावरण बचाओ, भविष्य बचाओ नारे लगाए

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अरावली पर्वतमाला को नुकसान पहुंचाने वाले सरकारी निर्णयों के विरोध में रविवार को एनएसयूआई के नेतृत्व में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अंकित घारू के नेतृत्व में युवाओं ने मशाल जुलूस निकालकर सरकार को चेताया कि यदि अरावली को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए

गए, तो आने वाले समय में बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा।

मशाल जुलूस राजकीय महाविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू होकर गोल चक्कर होते हुए केसरगंज तक निकाला गया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने ऑक्सीजन मास्क पहनकर प्रतीकात्मक संदेश दिया कि अगर अरावली का विनाश नहीं रोका गया, तो भविष्य में लोगों को सांस लेने के लिए भी मास्क पर निर्भर रहना पड़ेगा। उन्होंने कि अरावली बचाओ और पर्यावरण बचाओ, भविष्य बचाओ जैसे नारे भी लगाए। अंकित घारू ने कहा कि अरावली केवल पहाड़ों की श्रृंखला नहीं, बल्कि उत्तर भारत की जीवन रेखा है। यह पर्वतमाला जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और शुद्ध हवा के लिए बेहद आवश्यक है। यदि इसे नष्ट किया गया तो जल संकट, बढ़ता प्रदूषण और पर्यावरणीय असंतुलन तय है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी यदि आज समय रहते आवाज नहीं उठाई गई।

अल्टीमेटम: एनएसयूआई प्रदेश स्तर पर आंदोलन तेज करेगी

घारू ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा एक पेड़ मां के नाम जैसे नारे देते हैं, जबकि अरावली को नुकसान पहुंचाने वाले फैसले लिए जा रहे हैं। यह सरकार के दोहरे चरित्र को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार पूंजीपतियों के हित में फैसले ले रही है, देश की सार्वजनिक संपत्तियों का निजीकरण हो रहा है, बेरोजगारी बढ़ रही है और महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ चुकी है। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने संकल्प लिया कि अरावली पर्वतमाला को बचाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो एनएसयूआई प्रदेश स्तर पर आंदोलन तेज करेगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर लक्की जैन, पवन सिसोदिया, पार्थिक टोनी, तरुण टांक, नितिन चौधरी, राहुल भड़ाना, कपिल कलोशिया, सन्नी तनवानी, अनवर अली, उमेश टांक, कुलदीप रावत, जितेश मोलपारिया, आसिफ खान गेगल, कुणाल सांवरिया, दीपक मौर्य, राजवीर गुर्जर, आकाश बोयत, रंजीत घारू, आदित्य गोयर, रजत लखन सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चारागाह पर खनन माफिया की मनमानी, चला प्रशासन का बुलडोजर

बनेडिया में 150 टन अवैध बजरी जब्त, खनन माफिया में हड़कंप

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए खनन माफियाओं पर बड़ा प्रहार किया है। खनिज विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने सोमवार को तहसील सावर के ग्राम बनेडिया क्षेत्र में चारागाह भूमि पर किए जा रहे अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

अधीक्षण खनिज अभियंता अजमेर जे.के. गुरुबक्षाणी के निर्देशन एवं सहायक खनन अभियंता मनोज कुमार तंवर के मार्गदर्शन में चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत सहायक खनन अभियंता कौशल शर्मा व राधेश्याम चौधरी ने सावर पुलिस थाना अधिकारी एवं पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान चारागाह भूमि पर अवैध रूप से खनन कर एकत्र की गई करीब 150 टन बजरी जब्त की गई। जब्त बजरी को नियमानुसार

पट्टाधारक की सहायता से टीपी प्वाइंट मेहरूकला भिजवाकर सुरक्षित डलवाया गया, जहां आगामी प्रक्रिया के तहत बजरी का नीलामी द्वारा निस्तारण किया जाएगा।

इस संयुक्त कार्रवाई में खनिज विभाग के अधिकारी, होमगार्ड के जवान एवं सावर पुलिस थाना का पूरा जाप्ता मौजूद रहा।

प्रशासन ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसे तत्वों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री मंजू वाघमार के पिता को दी श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर सोमवार को अल्प प्रवास पर ब्यावर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राजस्थान सरकार की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री प्रोफेसर मंजू वाघमार के पिता स्वर्गीय बिशन लाल जी वाघमार के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंत्री मदन दिलावर ने शोक संतप्त परिवार से भेंट कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा इस कठिन समय में परिवार को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बिशन लाल जी वाघमार एक सरल, कर्मठ एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्व के धनी थे, जिनका जाना परिवार ही नहीं बल्कि समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर करीब 15 मिनट तक ब्यावर में रुके और राज्य मंत्री प्रोफेसर मंजू वाघमार से भी चर्चा की। उन्होंने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वह उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर व्यक्त की चिंता, वैश्विक हस्ताक्षेप की मांग

इंसानियत के खिलाफ जुल्म हो रहा है, उसकी सख्त निंदा की जाती

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अजमेर में विश्वविख्यात सूफी संत ख्वाजा गरीब नवाज़ की दरगाह में आयोजित 814वें सालाना उर्स के अवसर पर गद्दीनशीन एवं चिश्ती फाउंडेशन के चेयरमैन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने देश-दुनिया को अमन, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने उर्स की मुबारकबाद कश्मीर से कन्याकुमारी तक 140 करोड़ देशवासियों को पेश की।

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने बताया कि उर्स के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से करीब 10 लाख जायरीन दरगाह में हाज़िर हुए। इस मौके पर न सिर्फ जायरीन की हाजिरी हुई, बल्कि पूरी मानवता, विश्व शांति, आपसी सद्भाव और इंसानियत की रक्षा के लिए विशेष दुआएं की गईं।

विश्व के शासकों, वर्ल्ड लीडर्स, मानवाधिकार संगठनों की अपील

उन्होंने कहा कि जहां भी इंसानियत के खिलाफ जुल्म हो रहा है, उसकी सख्त निंदा की जाती है। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने विश्व के शासकों, वर्ल्ड लीडर्स, मानवाधिकार संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अपील की कि वे इस मुद्दे पर मजबूती से आवाज उठाएं।

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों को तत्काल रोका जाना चाहिए, दोषियों को सख्त सजा मिले और वहां की सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार का अन्याय या जुल्म न हो।

आतंकी घटनाओं की भी निंदा की

इसके साथ ही उन्होंने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रही आतंकी घटनाओं की भी निंदा की। ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों में हाल के समय में हुई बर्बर घटनाओं को मानवता के खिलाफ बताते हुए उन्होंने सभी राष्ट्राध्यक्षों से आतंक और हिंसा के खिलाफ एकजुट होकर साझा प्रयास करने की अपील की।

नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया एक परिवार है और इसी भावना के साथ वैश्विक शांति, सद्भाव और इंसानियत को मजबूती मिल सकती है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मुहिम रंग लाई: पूर्व मंत्री जाड़ावत

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वयं संज्ञान लेकर अरावली की परिभाषा को लेकर 20 नवंबर के फैसले पर रोक लगाने के आदेश स्वागत को स्वागत योग्य बताते हुए राजस्थान सरकार के पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने इसे जनहित की जीत बताते हुए कहा है कि पर्वतमाला के 100 मीटर के दायरे को लेकर जैसे ही सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अरावली बचाओ के तहत एक मुहिम शुरू की जिसके पश्चात आमजन इस मुहिम से जुड़ता चला गया केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को लगातार कटघरे में रखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने अरावली बचाने के ढाल बनकर मुहिम से जुड़े रहे प्रदेश कांग्रेस, विभिन्न संगठन और सामाजिक संस्थानों युवाओं ने भी इस मुहिम को लेकर आगे बढ़े इसको लेकर गत दिनों चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस जनप्रतिनिधीयो पदाधिकारियों ने भी मानव श्रृंखला बनाकर शहीद स्मारक से कलेक्ट्रेट चौराहे तक पैदल मार्च निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। आज सुप्रीम कोर्ट ने अपने 20 नवंबर के आदेश पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय का यह कदम स्वागत योग्य है आगे चलकर पर्वतमाला का संरक्षण जनहित को ध्यान में रखते हुए किया जायेगा ऐसी भावना आमजन में जागृत होगी।

लॉर्ड्स स्कूल प्रकरण: सादुलपुर में भारी आक्रोश, सर्व समाज ने भरी हुंकार

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर। स्थानीय लॉर्ड्स स्कूल में एक नाबालिग छात्र के साथ हुई कथित बेरहमी और मारपीट के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस घटना के विरोध में सोमवार को प्रजापत समाज सहित सर्व समाज के लोग लामबंद होकर सड़कों पर उतर आए। सैकड़ों की संख्या में एकत्रित हुए लोगों ने सिधमुख मोड़ से मिनी सचिवालय तक एक विशाल विरोध रैली निकाली। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्कूल प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और दोषियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग उठाई।

उपखंड कार्यालय पर हुए प्रदर्शन के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर सादुलपुर विधायक मनोज न्यांगली भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को अपना समर्थन दिया। विधायक ने प्रशासन को चेताया कि छात्र के साथ हुई इस अमानवीय घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। विधायक की मौजूदगी ने आंदोलन को और अधिक मजबूती प्रदान की।

समाज के लोगों और परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए गहरा रोष व्यक्त किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पुलिस ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय उल्टा पीड़ित छात्र पर ही मुकदमा दर्ज कर लिया है। परिजनों ने इसे स्कूल प्रबंधन के इशारे पर किया गया कार्य बताया है और आरोप लगाया है कि यह सब पीड़ित परिवार पर राजीनामा करने का दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है।

आंदोलनकारियों ने प्रशासन को दो-टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया और छात्र पर दर्ज मुकदमे को निरस्त नहीं किया गया, तो यह विरोध प्रदर्शन केवल सादुलपुर तक सीमित नहीं रहेगा। सर्व समाज ने घोषणा की है कि न्याय न मिलने की स्थिति में आगामी दिनों में इस आंदोलन को जिला मुख्यालय तक ले जाया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

नामदेव समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह

स्मार्ट हलचल

बांदनवाड़ा अजमेर। श्री नामदेव कीर्ति अलंकरण सम्मान समारोह का आयोजन संयोजक श्री जे पी टेलर द्वारा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी टांक छीपा दर्जियान ट्रस्ट पुष्कर के सानिध्य में गौतम आश्रम में संपन्न हुआ जिसमें नामदेव समाज की 111 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सम्मान की कड़ी में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं,श्री नामदेव नवयुवक मंडल सेवा समिति पुष्कर के सदस्यों, व्यव-स्थापन समिति सदस्यों, ट्रस्टियों, महासभा सदस्यों के साथ समाज

की विलक्षण प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुरेश जी बाटू, मुख्य अतिथि श्री अनिल जी टांक, श्री शक्ति सिंह जी (संभागीय आयुक्त अजमेर) आदि गणमान्य महानुभाव थे। तत्पश्चात ट्रस्ट मीटिंग का आयोजन किया जाकर समाज ट्रस्ट हितार्थ के निर्णय हुए।

चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी, समय रहते इलाज से बची जान

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का खतरा एक बार फिर सामने आया है। ब्यावर के सेंदड़ा रोड स्थित जोधपुर मिष्ठान के समीप चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक युवक की गर्दन कट गई। हादसा उस समय हुआ जब प्रताप नगर निवासी चिराग बंग दुपहिया वाहन से सेंदड़ा रोड की ओर जा रहा था।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार अचानक सड़क पर फैले चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कट गई। जब गर्दन से तेज़ी से खून बहने लगा, तब युवक को हादसे का अहसास हुआ। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद युवक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन वहीं छोड़ दिया और एक टेम्पो की सहायता से स्वयं राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय पहुंचा। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर कपिल देवड़ा ने तत्काल स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ऑपरेशन किया, जिससे युवक की जान बच सकी। सूचना मिलने पर परिजन

भी अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों और नागरिकों में रोष व्याप्त है। उन्होंने चाइनीज मांझे की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा इसे बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की सख्ती के बावजूद चाइनीज मांझा खुलेआम बिक रहा है, जो राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।

अथर्व जैन गोधा ने जीती यूसीमास चैंपियंस ट्रॉफी 8 मिनट में 200 प्रश्न हल कर बने गणित चैंपियन

स्मार्ट हलचल | ब्यावर

जयपुर स्थित जानकी देवी पब्लिक स्कूल में आयोजित यूसीमास स्टेट प्रतियोगिता में ब्यावर के होनहार छात्र अथर्व जैन गोधा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गणित में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। अथर्व ने मात्र 8 मिनट में 200 गणितीय प्रश्न हल कर अपनी अद्भुत मानसिक क्षमता का परिचय दिया और 2000 से अधिक प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आज के प्रतिस्पर्धी युग में बच्चों की प्रतिभा नए-नए आयाम स्थापित कर रही है। इसी क्रम में यूसीमास एबेकस से जुड़े नन्हे बच्चों ने अपनी तेज़ मानसिक गणना क्षमता से सभी को चकित कर दिया। प्रतियोगिता में ब्यावर के 11 वर्षीय प्रतिभाशाली छात्र अथर्व जैन गोधा ने कम्प्यूटर

जैसी तेजी और सटीकता से गणना करते हुए निर्णायकों एवं दर्शकों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में देशभर से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया, जहां बच्चों ने अत्यंत कम समय में जटिल गणितीय सवाल हल कर अपनी एकाग्रता, स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में कई विद्यार्थियों ने ट्रॉफियाँ जीतकर अपने संस्थान, अभिभावकों एवं शहर का नाम रोशन किया।

यूसीमास एबेकस के प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित अभ्यास, सही मार्गदर्शन और बच्चों की मेहनत से ही इस प्रकार की उपलब्धियाँ संभव हो पाती हैं। एबेकस प्रशिक्षण से बच्चों की मानसिक क्षमता, निर्णय लेने की शक्ति और आत्मविश्वास में निरंतर वृद्धि होती है। यूसीमास ब्यावर फ्रेंचाइज़ कविता साहू ने बताया कि सभी विद्यार्थियों ने लगातार 45 दिनों के कठोर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के साथ यह सफलता प्राप्त की, जो सही प्रशिक्षण और निरंतर मेहनत का परिणाम है।

इस अवसर पर राजस्थान मास्टर फ्रेंचाइज़ सतवीर सिंह ढाका, अभिभावकों, प्रशिक्षकों एवं संस्था से जुड़े सभी लोगों ने अथर्व जैन गोधा की इस शानदार उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि अथर्व जैन गोधा, समाजसेवी श्री अमित गोधा के सुपुत्र हैं व वरिष्ठ पत्रकार चंद्रप्रकाश गोधा के पोते है।

राजस्थान में जमीन से आसमान तक कोहरे की मार, कई फ्लाइट्स व ट्रेनें रद्द, यात्री परेशान

घने कोहरे का असर हवाई और रेल यातायात पर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान में कोहरे की मार जमीन से लेकर आसमान तक असर कर रही है। घने कोहरे का असर हवाई और रेल यातायात पर साफ दिखाई दे रहा है। पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित उत्तर-पूर्वी राज्यों में कोहरे के चलते उड़ानों के संचालन में बाधा आई। दिल्ली और चंडीगढ़ जाने वाली चार फ्लाइट्स को जयपुर डायवर्ट किया गया, जबकि जयपुर से चंडीगढ़ जाने वाली एक फ्लाइट रद्द करनी पड़ी। वहीं, जयपुर से गुवाहाटी जाने वाली फ्लाइट करीब पौने दो घंटे की देरी से रवाना हुई।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, कोहरे के कारण इंडिगो की हैदराबाद-चंडीगढ़ फ्लाइट 6E-6252 को जयपुर उतारा गया। इसके अलावा स्पाइसजेट की मुंबई-दिल्ली फ्लाइट SG-386, एयर इंडिया एक्सप्रेस की गोवा-दिल्ली फ्लाइट IX-1348 और स्पाइसजेट की दुबई-दिल्ली फ्लाइट SG-12 भी जयपुर डायवर्ट की गईं। घने कोहरे के चलते इंडिगो की जयपुर-चंडीगढ़ फ्लाइट

6E-7742, जो सुबह 5.50 बजे रवाना होती है, रद्द कर दी गई। वहीं, जयपुर-गुवाहाटी फ्लाइट 6श्र-748 तय समय 6.40 बजे के बजाय सुबह 8.26 बजे उड़ान भर सकी। कोहरे का असर रेल सेवाओं पर भी पड़ा है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू-पंजाब राजस्थान सहित कई राज्यों में ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। अजमेर शताब्दी और पूजा एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेनों की ताजा स्थिति की जांच कर लें।

नए साल में हाड़ कंपाने वाली ठंड

जयपुर मौसम केंद्र निदेशक राधेश्याम शर्मा का कहना है कि एक नए मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 31 दिसंबर को राज्य के बीकानेर, जोधपुर, अजमेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों के कुछ भागों में हल्की बारिश/मावठ होने की संभावना है। दिनांक 1 जनवरी को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की बारिश की गतिविधियां होने की संभावना है। 2 जनवरी से पुनः मौसम शुष्क रहने की संभावना है। राज्य के उत्तरी व पश्चिमी भागों में जनवरी के प्रथम सप्ताह में घना कोहरा दर्ज होने की संभावना है। राज्य के अधिकांश भागों में आगामी तीन-चार दिन न्यूनतम में 1-3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

स्वामी गोविंद गिरी महाराज को राष्ट्रपति द्वारा डि लीट उपाधि से सम्मानित

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। धार्मिक नगरी पुष्कर में ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ के संस्थापक स्वामी गोविंद गिरी महाराज को राष्ट्रपति द्वारा डि लीट उपाधि से सम्मानित किया गया ।एन आई टी जमशेदपुर का 15 वॉ दीक्षांत समारोह रविवार को संस्थान परिसर में बने मैदान में आयोजित हुआ ।जिसमें मुख्य अतिथि देश की राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू ने अपने हाथों से स्वामी गोविंद गिरी महाराज को डी लिट उपाधि से सम्मानित किया गया।

ज्ञातव्य स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज ने वाराणसी में वेद उपनिषद और शास्त्रों का ज्ञान अध्ययन किया और दर्शनाचार्य की उपाधि प्राप्त की है ।30 अप्रैल 2006

को हरिद्वार में कांची कामकोटि के जयेंद्र सरस्वती जी के आशीर्वाद से परमहंस सन्यास की दीक्षा ली थी । श्रीमद् भागवत, रामायण, महाभारत आदि पर देश-विदेश में प्रवचन देते हैं। वेदों के प्रचार के महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान के संस्थापक है वह श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष और कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट मथुरा के उपाध्यक्ष है।

व्यवहार से ग्रहों की स्थितियां होती हैं प्रभावित

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।

साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रात : और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।

व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।

अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।

एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।

साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।

जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।

आप कभी भी मन से कमजोर नहीं होंगे।

दिन भर में कुछ समय ईमानदारी से ईश्वर के लिए जरूर निकालें।

इससे करुणा भाव प्रबल होगा, भाग्य चमक उठेगा।

वास्तु: इस दिशा में खुले तिजोरी तो होता है धन-लाभ

हर कोई घर में सुख-शांति और लक्ष्मी का वास चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते है। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ आपना घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है।

आइए जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें :

1. ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए।

2. अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

3. पढ़ने और लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा में होना चाहिए।

बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। खुलते समय उसका मुंह उत्तर की तरफ खुलना चाहिए। इससे धन में कमी नहीं आएगी।

4. दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

5. बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए।

6. सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।

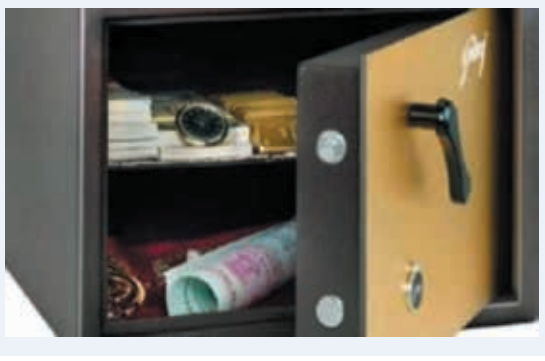

मान्यता है कि भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है। इसलिए बप्पा के साथ ही सूर्य देव की भी उपासना करें।

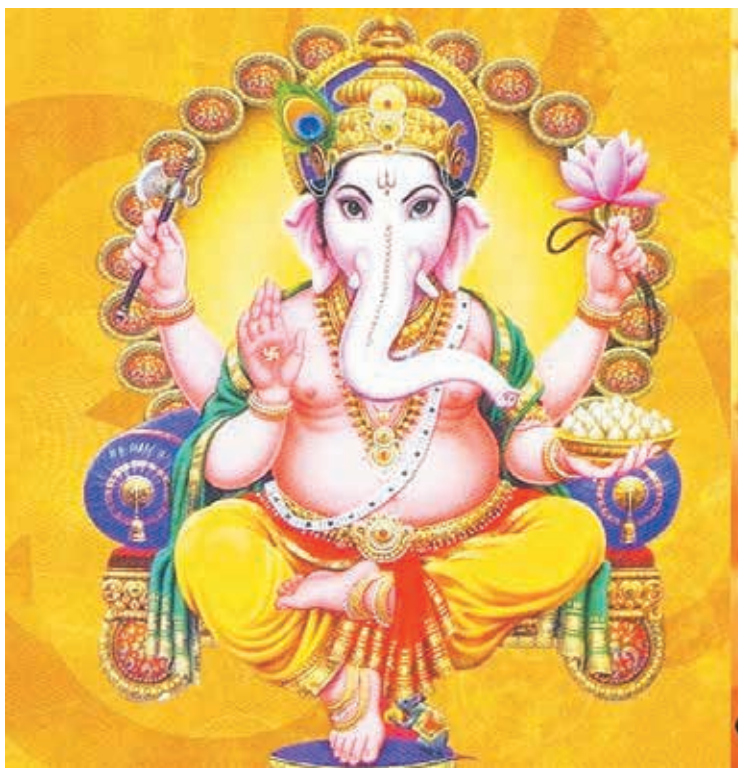

भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। इसीलिए इसकी शुभ-अशुभ स्थिति व्यक्ति के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य देव की अलग-अलग प्रतिमाएं रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अपनी इच्छानुसार घर में सूर्य देव की प्रतिमाएं रखी जा सकती हैं। तो आइए आज जानते हैं कि सूर्य देव की कौन सी प्रतिमा को घर में रखा जा सकता है।

लकड़ी की प्रतिमा

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार सूर्यदेव की लकड़ी की प्रतिमा घर रखना बहुत अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इसके निरंतर पूजा-पाठ करने से घर के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही उन्हें भाग्य का साथ मिल जाता है।

मिट्टी की प्रतिमा

जिस जातक की कुंडली में सूर्य दोष हो और उसके सभी कामों में बार-बार बाधाएं आ रही हो तो वो इंसान घर में पत्थर या मिट्टी की सूर्य प्रतिमा रख सकता है। कहा जाता है कि इसकी पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

तांबे की प्रतिमा

कहते हैं कि घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए हर किसी को तांबे से बनी प्रतिमा रखनी चाहिए। इसके शुभ असर से सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

चांदी की प्रतिमा

कार्य क्षेत्र में अधिकार बनाए रखने के लिए चांदी की सूर्य प्रतिमा रख सकते हैं।

सोने की प्रतिमा

सोने से बनी सूर्य प्रतिमा घर में रखने और उसकी पूजा करने से घर में धन-धान्य बढ़ता है, सुख-समृद्धि बनी रहती है।

भक्तों के पास रहते हैं भगवान

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु :ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु :ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत : हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

हर समय महसूस होती है उदासी तो आजमाएं ये अचूक वास्तु टिप्स, बढ़ेगी पॉजिटिविटी

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोगों को बिना किसी खास कारण के बेचैनी, उदासी और तनाव महसूस होने लगता है। यह कई बार हमारे आसपास मौजूद निगेटिव एनर्जी की वजह से होता है। जिसको वास्तु शास्त्र में 'वास्तु दोष' कहा जाता है। वास्तु के मुताबिक हमारे घर की बनावट, रंगों का चुनाव और वस्तुओं की दिशा सीधे तौर पर हमारी मानसिक शांति और भावनाओं को प्रभावित करने का काम करता है।

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें हर समय की उदासी

घर की दीवारों पर नीरस और गहरे

रंग जैसे काला और भूरे रंग की बजाय हल्के और शांतिपूर्ण रंग जैसे हल्का हरा, हल्का नीला, पीला या क्रीम करवाएं। इन रंगों को सिर्फ अपने घर की दीवारों तक ही सीमित न रखें, बल्कि आप खुद भी इस तरह के रंगों के कपड़े अधिक से अधिक पहनें।

शुरूआत में हो सकता है कि आपको लगे कि यह कौन सा तरीका हुआ उदासी को दूर करने का। लेकिन यकीन मानिए कि आपको धीरे-धीरे बदलाव खुद महसूस होने लगेगा। इन चीजों को शुभ प्रभाव आप पर पड़ रहा है और आप सकारात्मकता की तरफ बढ़ रहे हैं।

हर समय की उदासी को मिटाने के लिए घर के खिड़की-दरवाजों को नियमित रूप से खोलें। जिससे कि ताजी हवा और प्राकृतिक रोशनी अंदर आ सके। सूर्य की रोशनी पॉजिटिव एनर्जी का सबसे बड़ा स्त्रोत है। वहीं अंधेरा उदासी और नकारात्मकता को बढ़ाता है।

वहीं शाम के समय पूरे घर में सुगंधित धूप या अगरबती जलाएं। या फिर चंदन या लैवेंडर की खुशबू का उपयोग करें। इससे घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और मन को शांति मिलती है। सोते समय हमेशा अपना सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर रखें।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक उत्तर दिशा में सिर करके सोने से नींद की समस्याएं और तनाव बढ़ सकता है। अपने बेडरूम में इस बात का ध्यान रखें कि सोते समय शीशे में आपका प्रतिबिंब न दिखें। अगर शीशा ऐसी जगह पर है, तो रात में इसको पर्दे से ढक दें।

बेडरूम में आमने-सामने दो शीशें लगाने से भी तनाव बढ़ता है। वहीं अगर बिस्तर के ठीक ऊपर कोई बीम है, तो वहां से बिस्तर हटा लें। या फिर बीम को फॉल्स सीलिंग से ढक लें। बीम के नीचे सोने से मानसिक दबाव बढ़ता है।

इसके अलावा घर में कहीं भी धूल, कचरा या मकड़ी के जाले न जमने दें। खासकर घर के कोनों में अच्छे से सफाई करें। घर की गंदगी निगेटिविटी और मानसिक बोझ को बढ़ाता है। घर से टूटी हुई या दरार आई हुई चीजों को हटा दें। टूटी या दरार आई हुई चीजें नकारात्मकता लाती हैं, जोकि रिश्ते में तनाव व कलह का कारण बनती हैं। घर के पूर्व-उत्तर कोने को हमेशा साफ, हल्का और खाली रखें। क्योंकि यह दिशा शांति और मानसिक स्पष्टता से जुड़ी है। इसलिए इस दिशा में भारी सामान रखने से बचना चाहिए।

मानसिक तनाव को कम करने के लिए घर के ईशान कोण में किसी बड़े पात्र में साफ जल भरकर रखें। या फिर इस जगह एक छोटा सा पानी का फाउंटेन लगाएं।

एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना चाहिए या नहीं?

अक्सर लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या उन्हें जल अर्पित करना शुभ होता है या अशुभ। इस विषय को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं, जिनके कारण लोग भ्रम में पड़ जाते हैं। आइए आपको बताते हैं प्रेमानंद महाराज ने इस पर क्या बताया है। हिंदू धर्म में तुलसी पौधा को पूजनीय माना गया है। हर घर में तुलसी मां की पूजा जरुर की जाती है। तुलसी का पौधा आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से पूजनीय है। माता लक्ष्मी का स्वरुप है तुलसी जी। तुलसी की पूजा करने बेहद पुण्यदायक माना जाता है। सनातन धर्म में पूजा पाठ को लेकर कई नियम बताएं है। ऐसे में मां तुलसी की पूजा करने के कुछ जरुरी नियम है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कई घरों में एकादशी के दिन तुलसी की पतियां नहीं तोड़ी जाती है। इसके अलावा तुलसी के पौधे को जल देना शुभ नहीं होता है। आपके मन में भी अक्सर सवाल जरुर आता होगा कि एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या जल चढ़ाना शुभ माना जाता है या अशुभ।

तुलसी की पूजा क्यों जरुरी है?

तुलसी जी की पूजा, दर्शन और सेवा करने से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है। तुलसी की मंजरी को भगवान के चरणों में अर्पित करने वाला व्यक्ति, चाहे वह कितना भी दोषयुक्त क्यों न हो, यमपुरी का भय कभी महसूस नहीं करता। घर में तुलसी का पौधा लगाने से श्राद्ध कर्म करने जितना कल्याण होता है और पितर भी तृप्त होते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com